राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

लोक शक्ति

प्रधानमंत्री 25-26 अगस्त को गुजरात का दौरा करेंगे

थल सेनाध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी अल्जीरिया की राजकीय यात्रा पर रवाना हुए

RNI Regn. No.7789/1964 वर्ष-61 > अंक - 240 रायपुर सोमवार 25 अगस्त 2025 विक्रम संवत 2082 पृष्ठ 8 > मूल्य : 2 रू. डाक पंजीयन : C.G./RYP DN/71/2023-25

अमित शाह ने किया अखिल भारतीय विधान सभा अध्यक्ष सम्मेलन का शुभारंभ,कहा :

दलगत हितों से ऊपर उठ राष्ट्रहित का विचार ही लोकतंत्र की सर्वोच्च गरिमा

लोकतंत्र तभी फलता-फूलता है जब विधानसभाएँ विवेक, विचार और विधान के मूल मंत्र पर चलती हैं

नईदिल्ली,एजेंसी

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने आज दिल्ली विधानसभा में स्वतंत्रता सेनानी विट्ठलभाई पटेल जी के केन्द्रीय विधानसभा के पहले निर्वाचित भारतीय स्पीकर बनने के 100 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित दो दिवसीय अखिल भारतीय विधान सभा अध्यक्ष सम्मेलन का शुभारंभ किया। इस अवसर पर दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष श्री विजेंद्र गुप्ता, केन्द्रीय संसदीय कार्य मंत्री श्री किरेन रिजिजू, दिल्ली के उप-राज्यपाल श्री विनय कुमार सक्सेना और दिल्ली की मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

इस सम्मेलन में राज्यों/केन्द्रशासित प्रदेशों की विधानसभाओं के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और विधान परिषदों के सभापति एवं उपसभापति हिस्सा ले रहे हैं। इस अवसर पर केन्द्रीय गृह मंत्री ने दिल्ली

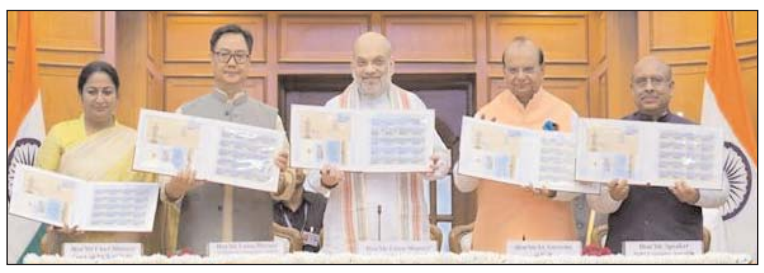

विधानसभा परिसर में विट्ठलभाई पटेल के जीवन पर आधारित प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि विट्ठलभाई पटेल ने भारत की विधायी परंपराओं की नींव रखकर आज के लोकतंत्र को मजबूत करने का कार्य किया। उन्होंने कहा कि भारतीय विचारों के आधार पर लोकतांत्रिक ढंग से देश को चलाने की नींव डालने का कार्य यदि किसी ने किया, तो वह निस्संदेह वीर विट्ठलभाई पटेल थे। विट्ठलभाई पटेल ने कई परंपराओं को

यदि संसद और विधानसभाओं के गलियारों में वाद-विवाद नहीं होगा, तो वे केवल एक निर्जीव भवन बनकर रह जाएंगे : अमित शाह

गृह मंत्री ने दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष से इस ऐतिहासिक सदन में सभी महानुभावों द्वारा दिए गए भाषणों का संकलन देश की सभी विधानसभाओं के पुस्तकालयों में उपलब्ध कराने का आग्रह किया ।

स्थापित करने का कार्य किया, जो आज हम सभी के लिए, विशेषकर विधायी कार्यों और सभापति के दायित्वों के लिए, ज्योतिर्मय दीपक की तरह मार्गदर्शन कर रही हैं। श्री शाह ने कहा कि विट्ठलभाई पटेल के सामने कई बार परीक्षा की घड़ी आई, परंतु प्रत्येक परीक्षा में वे शत-प्रतिशत उत्तीर्ण हुए। उन्होंने न तो विधानसभा अध्यक्ष की गरिमा को कम होने दिया, न ही इस सदन को देश की आवाज दबाने से रोका, और न ही अंग्रेजों की तत्कालीन मानसिकता को विधानसभा के कार्यों पर हावी होने दिया।

अब वॉट्सएप-ईमेल पर मिलेगा कोर्ट का समन और वारंट, सरकार ने लागू किया नया नियम

नई दिल्ली । एजेंसी

दिल्ली सरकार ने समन और गिरफ्तारी वारंट की तामील को लेकर बड़ा बदलाव किया है। अब अदालत का समन और वारंट लोगों को मोबाइल पर व्हाट्सएप और ईमेल के जरिए भेजा जा सकेगा। इसके लिए सरकार ने दिल्ली बीएनएसएस (समन और वारंट की तामील) नियम, 2025 अधिसूचित कर दिए हैं। जानकारी के मुताबिक, सरकार के इस फैसले से मिनटों में समन की डिलीवरी संभव हो जाएगी और समय व कागजी प्रक्रिया की बचत होगी। इस अधिसूचना को उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना पहले ही मंजूरी दे चुके हैं। नई व्यवस्था के तहत अदालतों द्वारा जारी समन और वारंट पर जज की डिजिटल मुहर और हस्ताक्षर होंगे। पुलिस संबंधित व्यक्ति को ईमेल या व्हाट्सएप पर यह नोटिस भेजेगी। यदि तकनीकी कारणों से ऑनलाइन तामील संभव नहीं होती, तो कोर्ट हार्ड कॉपी देने का निर्देश दे सकेगी। इसके लिए पुलिस थानों में इलेक्ट्रॉनिक समन वितरण केंद्र भी बनाए जाएंगे।

भारत में बने एयर डिफेंस सिस्टम का सफल परीक्षण

नई दिल्ली एजेंसी।

भारत ने एक बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए इंटीग्रेटेड एयर डिफेंस हथियार प्रणाली (आईएडब्ल्यूएस) का सफल परीक्षण किया है। यह परीक्षण भारत के एयर डिफेंस सिस्टम व क्षमता को एक नए युग में ले जाने वाला साबित हुआ है। विशेषज्ञों के मुताबिक यह उपलब्धि भारत को उन चुनिंदा देशों की श्रेणी में शामिल करती है जिनके पास आधुनिक, स्वदेशी और बहु-स्तरीय वायु रक्षा प्रणाली मौजूद है। आईएडब्ल्यूएस एक बहु-स्तरीय वायु रक्षा प्रणाली है जिसमें पूरी तरह स्वदेशी क्विक रिएक्शन सरफेस टू एयर मिसाइल (क्यूआरएसएएम), एडवांस्ड वेरी शॉर्ट रेंज एयर डिफेंस सिस्टम मिसाइलें तथा एक उच्च शक्ति वाला लेजर आधारित निर्देशित ऊर्जा हथियार शामिल है। इस महत्वपूर्ण परीक्षण पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, मैं डीआरडीओ, भारतीय सशस्त्र बलों और उद्योग जगत को आईएडब्ल्यूएस के सफल विकास के लिए बधाई देता हूँ। यह अनूठा उड़ान परीक्षण हमारे देश की बहु-स्तरीय एयर डिफेंस क्षमता को स्थापित करता है। यह महत्वपूर्ण स्थानों की सुरक्षा को मजबूती देगा व देश को शत्रु के हवाई खतरों के प्रति और अधिक सशक्त बनाएगा।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार सुबह जानकारी देते हुए बताया कि रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने 23 अगस्त को दोपहर लगभग 12 बजकर 30 मिनट पर ओडिशा तट से इस एकीकृत वायु रक्षा हथियार प्रणाली का सफल पहला उड़ान परीक्षण किया है।

प्रोटोकॉल तोड़ जनता के बीच पहुंचे सीएम धामी

आपदा प्रभावित लोगों को देख सीएम धामी ने रुकवाया काफिला

देहरादून । मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आज थराली में आपदा प्रभावित क्षेत्रों का स्थलीय निरीक्षण किया एवं आपदा प्रभावित लोगों से भी मिले। इस दौरान थराली में आपदा प्रभावित कुछ ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री से आग्रह किया कि वे ऊपर के गांवों का भी जल्द से जल्द रास्ता खुलवा दें। मुख्यमंत्री ने प्रभावित परिवारों को हर संभव सहायता का भरोसा दिलाते हुए राहत कार्यों की समीक्षा भी की। मुख्यमंत्री ने कहा कि संकट की इस घड़ी में सरकार पूरी तरह से प्रभावित परिवारों के साथ खड़ी है। उन्होंने प्रभावित लोगों को हर संभव मदद पहुंचाने का आश्वासन दिया।

हमारे अंतरिक्ष यात्री भारत की आकांक्षाओं के अग्रदूत हैं: राजनाथ सिंह

पीआईबी

रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने 24 अगस्त, 2025 को नई दिल्ली में एक कार्यक्रम के दौरान इसरो के पहले अंतरिक्ष उड़ान मिशन, गगनयान का हिस्सा रहे ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला, ग्रुप कैप्टन पीबी नायर, ग्रुप कैप्टन अजीत कृष्णन और ग्रुप कैप्टन अंगद प्रताप को सम्मानित किया। इस अवसर पर बोलते हुए, रक्षा मंत्री ने चारों गगनयात्रियों को देश के रत्न और राष्ट्रीय आकांक्षाओं का अग्रदूत बताया।

अंतरिक्ष में भारत की बढ़ती उपस्थिति पर बोलते हुए श्री राजनाथ सिंह ने कहा, ÷हम अंतरिक्ष को केवल अनुसंधान के क्षेत्र के रूप में नहीं बल्कि कल की अर्थव्यवस्था, सुरक्षा, ऊर्जा और मानवता के भविष्य के रूप में देखते हैं। हम पृथ्वी की सतह से आगे बढ़कर अंतरिक्ष की नई सीमाओं में लगातार आगे बढ़ रहे हैं। हम चंद्रमा से लेकर मंगल तक अपनी उपस्थिति दर्ज करा चुके हैं, और आज, देश गगनयान जैसे अभियानों के लिए पूरी तरह तैयार है।÷

रक्षा मंत्री ने इस उपलब्धि को केवल एक तकनीकी उपलब्धि नहीं, बल्कि आत्मनिर्भर भारत में एक नया अध्याय बताया । उन्होंने कहा, ÷भारत विश्व की अग्रणी अंतरिक्ष शक्तियों में गर्व से ऊँचा स्थान रखता है। भारत का अंतरिक्ष कार्यक्रम केवल प्रयोगशालाओं और प्रक्षेपण यान तक ही सीमित नहीं है। यह हमारी राष्ट्रीय आकांक्षाओं और वैश्विक दृष्टिकोण का प्रतिबिंब है। चंद्रयान से लेकर मंगलयान तक, हमने यह दिखाया है कि सीमित संसाधनों के साथ भी, असीमित इच्छाशक्ति सबसे चुनौतीपूर्ण लक्ष्यों को उल्लेखनीय उपलब्धियों में बदल सकती है।

श्री राजनाथ सिंह ने बताया कि अंतरिक्ष से प्राप्त प्रौद्योगिकियाँ, चाहे वह संचार उपग्रह हो, मौसम की निगरानी हो या आपदा प्रबंधन, भारत के हर गांव और हर खेत तक सेवाएं पहुंचा रही है। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि भारत अंतरिक्ष की यात्रा में पीछे नहीं रह सकता। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में, अंतरिक्ष में खनन, गहन अंतरिक्ष अन्वेषण और ग्रहीय संसाधन मानव सभ्यता की दिशा को पुनर्परिभाषित करेंगे।

बिहार में एसआईआर प्रक्रिया अंतिम चरण में, अब तक 98.2 प्रतिशत मतदाताओं ने जमा किए दस्तावेज

नई दिल्ली । बिहार में चल रही विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया अंतिम चरण में है। दावे, आपत्तियां और दस्तावेज जमा करने की अवधि 1 अगस्त से 1 सितंबर तक चल रही है, जिसकी समाप्ति में अभी 8 दिन शेष हैं। रविवार को आयोग ने जानकारी दी कि बिहार की एसआईआर निर्धारित समय पर है। प्राप्त सभी दावों और आपत्तियों का निपटारा 25 सितंबर तक किया जाएगा। जांच के बाद अंतिम मतदाता सूची 30 सितंबर को प्रकाशित की जाएगी।

चुनाव आयोग ने प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि अब तक 98.2 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने दस्तावेज जमा किए हैं। आयोग ने बिहार में एसआईआर प्रक्रिया में जुटे तमाम अधिकारियों और बीएलओ से लेकर लाखों स्वयंसेवकों की सराहना की है।

बीएसएफ ने बंगाल से खदेड़े गए 4 लाख बांग्लादेशी : शुभेंदु अधिकारी

नेता प्रतिपक्ष ने ममता सरकार पर घुसपैठियों को पनाह देने का आरोप लगाया

एजेंसी

कोलकाता। नेता प्रतिपक्ष और बीजेपी के नेता शुभेंदु अधिकारी ने बड़ा दावा किया है। शुभेंदु अधिकारी ने दावा किया कि 4 लाख बांग्लादेशियों को वापस खदेड़ा गया है। शुभेंदु अधिकारी ने निशीथ प्रमाणिक की एक पुस्तक विमोचन समारोह में के दौरान ये बातें कहीं। हालांकि यह संख्या सामान्य नहीं है, बल्कि बहुत बड़ी है। शुभेंदु अधिकारी कहा, मैं भारत सरकार और बीएसएफ का शुक्रिया अदा करता हूं। उन्होंने पहले ही 4

लाख बांग्लादेशियों को वापस खदेड़ दिया है। इसके साथ ही, मैं बांग्लादेशी सीमा रक्षक बल (बीजीबी) का भी शुक्रिया अदा करता हूं, क्योंकि उन्हें उन्हें वापस ले जाने के लिए मजबूर होना पड़ा। उन्होंने कहा, जहां तक मुझे पता है, बांग्लादेश गृह मंत्रालय और बीजीबी के अधिकारियों ने भारत सरकार के प्रतिनिधियों से मुलाकात की है। केंद्र ने बांग्लादेशी प्रतिनिधियों से कहा कि अगर उनके पास वीजा है तो किसी को भी वापस नहीं भेजा जाएगा. इसके बाद, केंद्र ने बीजीबी को सूची सौंपी, और फिर उन्हें उन अवैध घुसपैठियों को वापस लेने के लिए मजबूर होना पड़ा। इसके बाद, विपक्ष के नेता ने बंगाल सरकार पर 'घुसपैठियों को पनाह' देने का आरोप लगाया। उनके शब्दों में, ये घुसपैठिए गुजरात और हरियाणा समेत कई दक्षिणी राज्यों से आए हैं। गिरफ्तार और खदेड़े गए अवैध घुसपैठियों की सबसे ज़्यादा संख्या महाराष्ट्र से आई है, लेकिन बंगाल सरकार इनमें शामिल नहीं है। वे वोट बैंक की खातिर केंद्र के साथ सहयोग नहीं कर रहे हैं। राज्य का यह 'असहयोग' सिर्फ अवैध बांग्लादेशियों को खदेड़ने तक ही सीमित नहीं है।

विदेश ट्रंप के टैरिफ वॉर के बीच भारत की गजब की डिप्लोमेसी

पुतिन ही नही जेलेंस्की भी करेंगे भारत का दौरा, तारीख पर बन रही रणनीति

नई दिल्ली एजेंसी

भारत की रणनीतिक कूटनीति एक बार फिर वैश्विक मंच पर चर्चा का विषय बन गई है। एक ओर भारत रूस के साथ पारंपरिक मित्रता को मजबूत कर रहा है, तो दूसरी ओर यूक्रेन के साथ भी संतुलित और सहयोगी संबंधों की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। इसी के चलते रूस और यूक्रेन-दोनों देशों के राष्ट्राध्यक्षों के इस साल भारत दौरे की संभावनाओं ने अमेरिका की बेचैनी को और बढ़ा दिया है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूस से तेल खरीदने को लेकर भारत पर नाराजगी जाहिर करते हुए अतिरिक्त 25% टैरिफ लगाने का ऐलान कर दिया है। यह कदम भारत और रूस के बीच गहराते संबंधों के

जवाब के रूप में देखा जा रहा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, अमेरिका ने अब कुल मिलाकर भारत पर 50% टैरिफ लगा दिया है। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन इसी साल के अंत में भारत दौरे पर आ सकते हैं। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने हाल ही में इसकी पुष्टि की है। यह यात्रा ऐसे समय में हो रही है जब भारत और रूस के बीच ऊर्जा, रक्षा और व्यापार के क्षेत्र में सहयोग लगातार गहराता जा रहा है। वहीं, यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोदिमीर जेलेंस्की भी भारत दौरे पर आ सकते हैं। भारत में यूक्रेन के राजदूत ऑलेक्जेंडर पोलिशचुक ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जेलेंस्की को भारत आने का न्योता दिया है, और फिलहाल दोनों पक्ष तारीख तय करने पर काम कर रहे हैं।

राजदूत ने इस यात्रा को द्विपक्षीय संबंधों में 'नई ऊंचाई' करार दिया है। यूक्रेन के स्वतंत्रता दिवस (24 अगस्त) की पूर्व संध्या पर दिल्ली स्थित ऐतिहासिक कुतुब मीनार को यूक्रेन के राष्ट्रीय ध्वज की रोशनी में रंगा गया। यह भारत-यूक्रेन संबंधों की प्रगति का प्रतीक बनकर सामने आया है। भारत ने रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध को लेकर हमेशा कूटनीतिक संतुलन बनाए रखा है। जहां भारत रूस से रक्षा और ऊर्जा क्षेत्रों में सहयोग करता रहा है, वहीं यूक्रेन को मानवीय सहायता और राजनीतिक समर्थन भी दिया गया है।

पीएम मोदी को दुनिया का 'बॉस' बताने वाले फिजी के प्रधानमंत्री की पहली भारत यात्रा

नई दिल्ली ,लोकशक्ति।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को दुनिया का 'बॉस' बताने वाले फिजी के प्रधानमंत्री सिटिवेनी लिगामामादा राबुका तीन दिवसीय दौरे पर भारत आए हैं। यह उनकी भारत की पहली आधिकारिक यात्रा है। वह रविवार को दिल्ली पहुंचे, जहां केंद्रीय मंत्री सुकांत मजूमदार ने उनका स्वागत किया।

फिजी के प्रधानमंत्री के साथ उनकी पत्नी सुलुएती राबुका भी हैं। प्रतिनिधिमंडल में स्वास्थ्य मंत्री रातू अटोनियो लालबालावु और वरिष्ठ अधिकारी शामिल हैं। भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर प्रधानमंत्री राबुका के आगमन की जानकारी साझा करते हुए लिखा, फिजी के प्रधानमंत्री सिटिवेनी राबुका का अपनी पहली यात्रा पर नई दिल्ली पहुंचने पर हार्दिक स्वागत है। प्रधानमंत्री राबुका

का एयरपोर्ट पर केंद्रीय मंत्री सुकांता मजूमदार ने स्वागत किया। यह यात्रा विविध क्षेत्रों में साझेदारी को और गहरा करेगी।

अपनी भारत यात्रा के दौरान फिजी के प्रधानमंत्री सोमवार को पीएम नरेंद्र मोदी के साथ वार्ता करेंगे। प्रधानमंत्री मोदी की तरफ से फिजी के पीएम के लिए लंच का आयोजन होगा। इसके बाद प्रधानमंत्री सिटिवेनी राबुका भारतीय राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात करेंगे। बता दें कि राष्ट्रपति मुर्मू ने अगस्त 2024 में फिजी का दौरा किया था।

भारतीय विदेश मंत्रालय का मानना है कि प्रधानमंत्री राबुका की यह यात्रा भारत और फिजी के बीच लंबे समय से चले आ रहे मजबूत और स्थायी संबंधों को

रेखांकित करती है। यह यात्रा दोनों देशों की द्विपक्षीय संबंधों को सभी क्षेत्रों में मजबूत करने और हमारे लोगों के बीच संबंधों को और गहरा करने की प्रतिबद्धता की पुष्टि करती है। यह दौरा ऐसे समय में हो रहा है, जब भारत और फिजी ने जुलाई 2025 में सुवा, फिजी में विदेश कार्यालय परामर्श (एफओसी) के छठे दौर का आयोजन किया था। इस दौरान दोनों देशों ने स्वास्थ्य, शिक्षा, क्षमता निर्माण, व्यापार और निवेश, कृषि, नवीकरणीय ऊर्जा, जलवायु परिवर्तन और सांस्कृतिक आदान-प्रदान जैसे प्रमुख क्षेत्रों में सहयोग की समीक्षा की और उसे बढ़ाने पर चर्चा की। भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व विदेश मंत्रालय की सचिव (दक्षिण) नीना मल्होत्रा ने किया।

रूस की बड़ी कार्रवाई, 24 घंटे में मार गिराए 160 यूक्रेनी ड्रोन और 4 गाइडेड हवाई बम

एजेंसी

मास्को , रूस ने बताया कि पिछले 24 घंटों में उसकी वायु रक्षा प्रणाली ने यूक्रेन के 4 गाइडेड हवाई बम और 160 ड्रोन मार गिराए। एजेंसी के अनुसार, रूसी रक्षा मंत्रालय ने कहा कि उसकी वायु रक्षा प्रणालियों ने देश के पश्चिमी सीमावर्ती क्षेत्रों में 33 यूक्रेनी ड्रोनों को रोका। मंत्रालय ने कहा कि सुबह 9:30 से दोपहर 12 बजे (मॉस्को समय) के बीच 13 यूक्रेनी ड्रोन गिराए गए, जिनमें से 12 ब्रायंस्क क्षेत्र और एक कालुगा क्षेत्र में थे। इसके बाद अगले दो घंटे में 20 और ड्रोन नष्ट किए गए, जिसमें आठ ब्रांस्क में, सात स्मोलेंस्क में, तीन कुर्स्क में और दो कलुगा में हैं। अगस्त की शुरुआत में, रूस ने अलास्का में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनके रूसी समकक्ष व्लादिमीर पुतिन के बीच बैठक से पहले यूक्रेन पर हमले बढ़ाने का आरोप लगाया था।

रूसी विदेश मंत्रालय ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर बयान जारी करते हुए बताया कि पिछले एक हफ्ते में यूक्रेन की गोलाबारी और ड्रोन हमलों से रूस में 22 लोगों की मौत हो चुकी है और 105 लोग घायल हुए हैं। मंत्रालय ने रूसी क्षेत्र में हमले वाले इलाकों को चिह्नित करते हुए एक नक्शा भी साझा किया। रूसी विदेश मंत्रालय के उप प्रवक्ता अलेक्सी फादेव ने कहा, रूस-अमेरिका शिखर सम्मेलन के नज़दीक आने के साथ, कीव शासन ने रूसी क्षेत्रों के खिलाफ अपनी आतंकवादी गतिविधियां बढ़ा दी हैं। पिछले एक हफ्ते में, 127 रूसी नागरिक गोलाबारी और ड्रोन हमलों का शिकार हुए।

नक्सली मुक्त होते ही देश-दुनिया के लोग और ज्यादा संख्या में पहुंचेंगे बस्तर : कश्यप

बस्तर के पर्यटन स्थलों को निहारने अब सैलानियों को उचित दर पर मिलेंगी टैक्सियां

कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान के सैलानियों के लिए नई पहल

जगदलपुर । कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान द्वारा जिप्सी का सफल संचालन करने के बाद बस्तर आने वाले सैलानियों के लिए अब टैक्सियों की व्यवस्था शुरू कर दी गयी है। इस पैकेज के तहत कोई भी व्यक्ति टाटामारी से लेकर तीरथगढ़ तक तिरिया से लेकर - बारसूर तक बस्तर भ्रमण कर सकता है।

इस महत्वपूर्ण योजना की शुरुआत करते हुए वन एवं परिवहन मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि बस्तर का क्षेत्रफल केरल और इजराइल से बड़ा है। यहां बहुत से दर्शनीय स्थल हैं। जहां तक बस्तर की अधिकांश जनता ही नहीं पहुंच पाई है। वर्ष 2006 में जैसे ही बस्तर नक्सली मुक्त होगा। देश दुनिया के लोग और बड़ी संख्या में बस्तर की खूबसूरती निहार पाएंगे। कुम्हारखंड स्थित शहीद गुंडाधुर कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र के सभागार में आयोजित समारोह में बस्तर कनेक्ट योजना के तहत शुरू की गयी 10 टैक्सियों को अतिथि वन एवं परिवहन मंत्री केदार कश्यप, जगदलपुर विधायक किरण देव ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। समारोह के दौरान तेंदूपत्ता बीमा योजना के तहत तीन संग्राहकों की मौत पर मृतकों के परिजनों को कुल 8 लाख रूपये प्रदान किए गए। बस्तर कनेक्ट योजना के ब्रोसर का लोकार्पण भी किया गया। इस मौके पर जन समुदाय को संबोधित करते हुए वनमंत्री केदार कश्यप ने कहा कि लोग पौधरोपण के लिए सरकार पर निर्भर हैं, जबकि इसके लिए जनभागीदारी जरूरी है। बस्तर मैन मेड नहीं नेचर गिफ्ट है। प्राकृतिक स्थलों को क्षति पहुंचाए बगैर हमें बस्तर में पर्यटन स्थलों को संवर्धित करना है।

बस्तर को देखना चाहता है पूरा देश : किरण

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष तथा स्थानीय विधायक किरण देव ने कहा कि यह हमारे लिए सौभाग्य की बात है कि इको टूरिज्म के लिए बस्तर के धुड़मारास को प्रथम पुरस्कार मिला, वहीं अब इन विशेषताओं के लिए तिरिया को भी सम्मानित किया गया चुका है। बस्तर को पूरा देश देखना चाहता है, इसलिए बस्तर को कॉरिडोर से जोड़ा गया है। आज टूरिस्ट वाहनों के लोकार्पण के अलावा दो करोड़ रूपये के विकास कार्यों का भी लोकार्पण यहां किया गया, यह बढ़ते बस्तर का प्रतीक है। इस मौके पर नगर निगम के सभापति खेमसिंह देवांगन, पूर्व अध्यक्ष रूपसिंह मांडवी के अलावा इंद्रावती टाइगर प्रोजेक्ट की मुख्य वन संरक्षक स्टाइलो मंडावी, वन मंडलाधिकारी उत्तम गुप्ता, कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान के संचालक रवि कुमार के अलावा बड़ी संख्या में वनकर्मी और ग्रामीण मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन डिप्टी रेंजर राजेंद्र कुशवाहा ने किया, वही एसडीओ गुलशन साहू ने आभार माना।

रंजना साहू के भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष बनने पर यादव समाज पहुंचे बधाई देने

रंजना साहू ने जताया आभार, कहा- यह सेवा का नया अवसर है

धमतरी । भारतीय जनता पार्टी द्वारा हाल ही में घोषित नई प्रदेश कार्यकारिणी में धमतरी विधानसभा की पूर्व विधायक श्रीमती रंजना डीपेंद्र साहू को प्रदेश उपाध्यक्ष के महत्वपूर्ण पद की जिम्मेदारी सौंपी गई है, पार्टी नेतृत्व ने यह दायित्व उन्हें उनकी संगठनात्मक क्षमता, जनसेवा में सक्रिय भूमिका और समर्पण को देखते हुए प्रदान किया है। इस महत्वपूर्ण नियुक्ति के बाद यादव समाज की ओर से भी उन्हें शुभकामनाएं व बधाई प्रकट किया गया। यादव समाज के प्रदेश उपाध्यक्ष श्री भगत यादव के नेतृत्व में समाज के प्रतिनिधियों का एक प्रतिनिधिमंडल श्रीमती रंजना साहू के निज निवास पर पहुंचकर उन्हें पुष्पगुच्छ भेंट कर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दिए। इस अवसर पर श्री भगत यादव ने कहा कि रंजना साहू जैसी कर्मठ और जमीनी नेता को पार्टी द्वारा प्रदेश स्तर की जिम्मेदारी देना गर्व की बात है। उन्होंने विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व में संगठन को मजबूती मिलेगी और प्रदेश में भाजपा और अधिक सशक्त रूप में उभरेगी। श्रीमती रंजना साहू ने यादव समाज के प्रतिनिधियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह जिम्मेदारी केवल पद नहीं, बल्कि एक अवसर है जनता की सेवा को और अधिक व्यापक स्तर पर पहुंचाने का। उन्होंने यह भी कहा कि सभी समाजों के सहयोग से ही पार्टी और समाज दोनों का समुचित विकास संभव है। इस मौके पर यादव समाज जिला अध्यक्ष घनश्याम यादव, जनपद सदस्य अनीता यादव, राम अवतार यादव, बाबूलाल, धनेश्वरी यादव, मुकेश यादव, हरी लाल यादव, दुर्गा प्रसाद यादव, अजय यादव, मनीष यादव, जोहन सिंह यादव, दादू लाल यादव, जगदेव यादव, जितेंद्र यादव, राजेंद्र यादव, नरेंद्र यादव।

विधार्थी काल में ही तय होती है जीवन की दिशा और दशा : महापौर

दीक्षा आरंभ एक औपचारिकता नहीं, जीवन यात्रा की होती है शुरूआत

जगदलपुर। शिक्षा केवल डिग्री हासिल करने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह जीवन को गढ़ने और समाज को दिशा देने का माध्यम है। इसी संदेश के साथ शासकीय दंतेश्वरी पीजी महिला महाविद्यालय में भव्य दीक्षारंभ समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में छात्राओं ने नई शैक्षिक यात्रा का आगाज किया और जीवन के प्रति सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने का संकल्प लिया।महापौर संजय पांडे ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा यह दीक्षारंभ केवल एक औपचारिकता नहीं, बल्कि नई यात्रा की शुरुआत है। छात्र जीवन का हर क्षण महत्वपूर्ण होता है, क्योंकि यही वह समय है जब जीवन की दशा और दिशा तय होती है। शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य केवल डिग्री पाना नहीं, बल्कि ऐसा ज्ञान और कौशल हासिल करना है, जो हमें आत्मनिर्भर बनाए और समाज को भी दिशा दे।उन्होंने छात्राओं को प्रेरित करते हुए कहा कि वर्तमान युग कौशल आधारित शिक्षा का है। यदि शिक्षा से रोजगार ही नहीं मिले या हम किसी और को रोजगार न दे सकें, तो शिक्षा अधूरी है। उन्होंने जोर दिया कि शिक्षा तभी सार्थक है जब वह समाज को भी लाभ पहुंचाए और आने वाले कल की मजबूत नींव रखे।

स्वच्छता को जीवन का बनाएं हिस्सा।

महापौर ने छात्राओं को स्वच्छता के महत्व से भी अवगत कराया। उन्होंने कहा कि गीले और सूखे कचरे को अलग-अलग रखने की आदत डालनी चाहिए। घरों और संस्थानों में दो डस्टबिन का उपयोग हर नागरिक का कर्तव्य है।उन्होंने कहा स्वच्छता केवल जिम्मेदारी नहीं, बल्कि आदत बननी चाहिए। यदि हम नुक्कड़ों और सड़कों पर कचरा फेंकना बंद कर दें, तो हमारा शहर अपने आप स्वच्छ और सुंदर बन जाएगा। दीक्षारंभ समारोह ने छात्राओं को न केवल शिक्षा के महत्व का बोध कराया, बल्कि यह भी स्पष्ट किया कि स्वच्छता और सामाजिक जिम्मेदारी ही एक सच्चे नागरिक की पहचान है। इस अवसर पर छात्राओं ने शिक्षा, अनुशासन, स्वच्छता और समाजसेवा के प्रति नई प्रतिबद्धता व्यक्त की। समारोह में नगर निगम अध्यक्ष खेमसिंह देवांगन, शिक्षा विभाग की सभापति श्रीमती कलावती कसेर, महाविद्यालय के प्राचार्य राजीव गुहे, प्रो. रंजना नाथ, योगेंद्र मोतीवाला, श्रीमती बबीता दीवान, सुनील मिश्रा, गुलाब साहू, डॉ. श्यामाचरण, भुवनेश्वर कुमार, बृजेश गौतम, गुलाबचंद, डॉ. हेमलता मिंज, डॉ. बिंदु साहू, जीविरा कोसले, तृप्ति खंगन, प्रियंका शुक्ला सहित बड़ी संख्या में प्राध्यापक-प्राध्यापिकाएं और छात्राएं मौजूद रहीं।

पोरा में बैल की मूर्तियों को खरीदने जीई रोड में लग रहा जाम

रायपुर । पोरा सहित गणेश चतुर्थी में मूर्तियों की खरीददारों की भीड़ इस समय प्रमुख मार्गों में लगती जा रही है जिसके कारण प्रमुख मार्ग में यातायात प्रभावित हो रहा है।

राजधानी में आज पोरा तिहार धूमधाम के साथ मनाया जा रहा है इस अवसर पर मिट्टी तथा लकड़ी के बैल खरीदने के लिए आमापारा मालवीय रोड, अमिन पारा सहित अन्य स्थानों पर भारी भीड़ लगी हुई है। नगर निगम प्रशासन ने लोगों को गणेश चतुर्थी के पहले मूर्तियां ईदगाह भाठा मैदान में खरीदने की सलाह दी थी तथा मूर्तिकारों को वे ईदगाह भाठा में मूर्तियों का विक्रय करे ताकि आए दिन लोगों को यातायात परेशानी से बचाया जा सके। यह तैयार 26 अगस्त को शुरू हो रहा है। राजधानी के बड़े गणेशोत्सव के पदाधिकारी ने दुर्ग से अंजोरा से विशाल मूर्तियों का आर्डर देने पर इसे प्रतिमा स्थल पर लाकर रख दिया है। बड़े बड़े टेलर में इन प्रतिमाओं को लाया गया है। बूढ़ापारा तथा सदर बाजार में ऐ प्रतिमाएं टेलर में रखी हुई है।आज रामसागर पारा में बैलदोड़ का भी आयोजन किया जा रहा है।यहांपर पारंपरिक ढंग से बैलों को सजाया जा रहा है।

छग में तीजा त्योहार प्रमुख पर्व है इस अवसर पर विवाहित महिलाओं को घर में लाया जाता है तथा वे तीज उपास रखकर अपने पति की दीर्घायु की कामना करते है। प्रदेश में सभी लोकल सहित यात्री बसों में महिलाओं की भारी भीड़ लगी हुई है वहीं मालवीय रोड में कपड़ा दुकानों में साड़ी तथा अन्य सामान जैसे फूलेरा, सहित फल खरीदने के लिए भारी भीड़ लगी हुई है।

नीट परीक्षा में शानदार सफलता, रायगढ़ मेडिकल कॉलेज में मिली एमबीबीएस सीट

भोपालपटनम । छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले के छोटे से कस्बे भोपालपटनम की बेटी कु. नेहा पवनूरी ने अपनी लगन, निष्ठा और कठिन परिश्रम के बल पर एक बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए न सिर्फअपने परिवार का, बल्कि पूरे बीजापुर जिले और भोपालपटनम क्षेत्र का नाम रोशन किया है। कु. नेहा पवनूरी, जो कि स्वर्गीय श्री पवनूरी रामन्ना जी और श्रीमती पवनूरी चंद्रकांता जी (सहायक ग्रेड-03, शासकीय सेवा) की सुपुत्री हैं, ने वर्ष 2025 में आयोजित राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट-यूजी) में शानदार सफलता प्राप्त कर शासकीय स्व. श्री लखीराम अग्रवाल स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय, रायगढ़ में स्नातक चिकित्सा पाठ्यक्रम (एमबीबीएस) हेतु प्रवेश प्राप्त किया है। नेहा ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा कक्षा पहली से आठवीं तक मधुवन पब्लिक स्कूल, भोपालपटनम से प्राप्त की। इसके बाद उन्होंने कक्षा 9वीं से 12वीं तक की पढ़ाई डी.ए.वी. उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, भोपालपटनम से पूरी की, जहाँ उन्होंने शैक्षणिक स्तर पर निरंतर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। डॉक्टर बनने के अपने बाल्यकाल के सपने को साकार करने हेतु नेहा ने भिलाई स्थित एस2एस कोचिंग संस्थान से नीट की तैयारी की और कड़ी मेहनत तथा अनुशासित अध्ययन से सफलता प्राप्त की। उनकी इस सफलता ने यह सिद्ध कर दिया है कि सुदूर और सीमित संसाधनों वाले क्षेत्र से आने वाले छात्र-छात्राएं भी यदि सही मार्गदर्शन और मेहनत करें तो किसी भी राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में सफलता अर्जित कर सकते हैं। नेहा की इस उपलब्धि से उनके माता-पिता, गुरुजन, सहपाठी एवं समस्त क्षेत्रवासियों में हर्ष और गर्व का माहौल है। बीजापुर जैसे नक्सल प्रभावित जिले से आई यह सफलता न केवल प्रेरणास्पद है, बल्कि आने वाली युवा पीढ़ी को भी शिक्षा के प्रति प्रोत्साहित करती है।

बस्तर के इतिहास पर परिचर्चा

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना के रजत जयंती महोत्सव के उपलक्ष्य में बस्तर के इतिहास पर परिचर्चा का आयोजन लालबाग स्थित शौर्य भवन में किया गया। कार्यक्रम में प्रदेश भाजपा अध्यक्ष एवं जगदलपुर विधायक किरण सिंह देव, महापौर संजय पांडे, नगर निगम अध्यक्ष खेमसिंह देवांगन, बस्तर कलेक्टर हरिस एस, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रतीक जैन, जिला शिक्षा अधिकारी बलिराम बघेल, असिस्टेंट प्रोफेसर अप्रतिम झा सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

निजी स्कूलों और नर्सिंग कॉलेजों की मनमानी फीस पर लगे रोक – चन्द्रिका सिंह

जन अधिकार संघ की मांग, फीस निर्धारण कलेक्टर करें -

भोपालपटनम । बस्तर संभाग में निजी स्कूलों और नर्सिंग कॉलेजों द्वारा वसूली जा रही मनमानी फीस पर रोक लगाने तथा जिलेवार कलेक्टर द्वारा फीस निर्धारण करने की मांग को लेकर जन अधिकार सामाजिक कल्याण संघ द्वारा एक महत्वपूर्ण ज्ञापन आयुक्त, बस्तर संभाग को सौंपा गया। यह ज्ञापन संघ के प्रदेश अध्यक्ष श्री चन्द्रिका सिंह की अगुवाई में 11 अगस्त 2025 को सौंपा गया था।

ज्ञापन में बताया गया कि यह मांग पूर्व में मुख्यमंत्री, विधानसभा अध्यक्ष एवं मुख्य सचिव, छत्तीसगढ़ शासन के समक्ष भी प्रस्तुत की जा चुकी है। इस विषय पर उच्च न्यायालय, बिलासपुर द्वारा भी राज्य सरकार को निजी स्कूलों की फीस नियंत्रित करने के निर्देश दिए गए हैं। प्रदेश अध्यक्ष चन्द्रिका सिंह ने कहा कि मध्यमवर्गीय एवं आर्थिक रूप से कमजोर परिवार अपने बच्चों के भविष्य को लेकर निजी स्कूलों की मनमानी फीस और दबाव का शिकार हो रहे हैं। उन्होंने मांग की कि संभाग के सभी जिलों में कलेक्टर स्तर पर फीस निर्धारण की प्रक्रिया अपनाई जाए जिससे पारदर्शिता बनी रहे और अभिभावकों को राहत मिल सके। सिंह ने निजी स्कूलों और नर्सिंग कॉलेजों के योगदान की सराहना करते हुए आग्रह किया कि फीस न्यूनतम होनी चाहिए ताकि सभी वर्गों के छात्र शिक्षा का लाभ ले सकें। इसके साथ ही उन्होंने स्कूलों में खेलकूद की पर्याप्त सुविधाएं देने पर भी जोर दिया, जिससे बच्चों का शारीरिक और मानसिक विकास बाधित न हो। जन अधिकार संघ ने यह भी सुझाव दिया कि यदि फीस निर्धारण हेतु समिति बनाई जाती है, तो उसमें मध्यमवर्गीय एवं आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के दो-दो पालकों और संघ के एक प्रतिनिधि को शामिल किया जाए, ताकि समिति में सभी वर्गों की भागीदारी सुनिश्चित हो।

संघ के पदाधिकारियों श्री के. आर. चापड़ी (प्रांतीय उपाध्यक्ष), श्री ए. सुधाकर (जिला अध्यक्ष), श्री जी. सुधाकर (संरक्षक) एवं श्री मल्लाराव मोड़ियम (सचिव) ने बस्तर आयुक्त को ज्ञापन पर शीघ्र कार्रवाई करने हेतु धन्यवाद ज्ञापित किया है

धमतरी पुलिस की गुंडा-बदमाशों पर लगातार कार्यवाही जारी

कोतवाली पुलिस ने की आर्म्स एक्ट पर एक और कार्यवाही

रामसगरी तालाब के पास चाकू लहराकर लोगों को डराने वाला युवक गिरफ्तार, बटंची चाकू जप्त कर भेजा गया जेल

धमतरी । एसपी धमतरी के निर्देश पर धमतरी पुलिस द्वारा जिले में लगातार गुंडा-बदमाशों एवं असामाजिक तत्वों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में थाना सिटी कोतवाली धमतरी पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि रामसगरी तालाब स्थित साईं मंदिर के पास एक युवक चाकू लहराकर आम लोगों को डराने-धमकाने की कोशिश कर रहा है।

सूचना पर पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची और घेराबंदी कर युवक को पकड़ लिया। वह हाथ में लोहे का बटंची चाकू हवा में लहराकर लोगों को भयभीत कर रहा था।

आरोपी का विवरण

नाम ङ्क मो0 मस्तकिम पिता अन्दुल जाकिर उम्र ङ्क 27 वर्ष निवासी ङ्क जिला अस्पताल के पास, रिसाई पारा, धमतरी,थाना सिटी कोतवाली धमतरी,जिला धमतरी (छ.ग.)।

बरामदगी एवं कार्यवाही

गवाहों की उपस्थिति में आरोपी के कब्जे से एक लोहे का बटंची चाकू जप्त किया गया। इस पर थाना सिटी कोतवाली धमतरी में अपराध क्र. 201/25 धारा 25, 27 आर्म्स एक्ट के तहत अपराध दर्ज कर आरोपी को विधिवत गिरफ्तार किया गया एवं न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया।

धमतरी पुलिस का संदेश

जिले में गुंडा-बदमाशों, असामाजिक तत्वों व अवैध गतिविधियों के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है।

शिक्षक एल बी की वरिष्ठता सूची में गंभीर त्रुटियाँ,जांच के लिए कमेटी बनाने की मांग

सुधार हेतु संभागीय संयुक्त संचालक बस्तर संभाग शिक्षा के नाम डी ई ओ को सौंपा ज्ञापन

बीजापुर । छग शालेय शिक्षक संघ जिला बीजापुर का एक प्रतिनिधि मंडल ने दिनाँक 13.08.2025 को संभागीय संयुक्त संचालक बस्तर संभाग शिक्षा द्वारा जारी वरिष्ठता सूची शिक्षक एल बी ई एवं टी संवर्ग एवं प्रधान पाठक प्रा शाला मे गंभीर त्रुटियाँ सामने आयी हैं जिसके सुधार हेतु संयुक्त संचालक बस्तर संभाग शिक्षा के नाम ज्ञापन डी ई ओ बीजापुर एल एल धनेलिया को दिनाँक 22.08.25 को ज्ञापन सौंपा गया है।संयुक्त हस्ताक्षर छग शालेय शिक्षक संघ के जिला सचिव कैलाश रामटेके,महामंत्री वसीम खान एवं ब्लाक अध्यक्ष बीजापुर विजय चापड़ी ,अरुण सिंह के द्वारा साँपे गये। ज्ञापन मे माँग की गई है कि वरिष्ठता सूची मे नियुक्ति तिथि व पदोन्नति तिथि एक ही दर्शायी गई है जिसमे सुधार की आवश्यकता है।जन्म तिथि भी सीरियली नही है आगे -पीछे दर्शायी गई है।कहीं - कहीं पर आदेश जारी होने की तिथि को ही नियुक्ति तिथि दर्शायी गई है।इस संबंध मे यह है कि कई जिला पंचायतों मे 30.04.2005 को आदेश जारी हुआ था जिसे बाद मे राज्य शासन द्वारा सभी को 01.05.2005 मे शिक्षा कर्मी मे परिवर्तित कर प्रथम नियुक्ति तिथि घोषित किया है।सन 1998 मे नियुक्त समस्त शिक्षा कर्मियों की पदोन्नति 2006 से प्रारंभ हुई है।जिसे 1998 दर्शाया गया है जो कि त्रुटिपूर्ण है व सुधार की आवश्यकता है।कहीं -कहीं पर मृत शिक्षकों एवं सेवानिवृत शिक्षकों का नाम भी अंकित है। छग शालेय शिक्षक संघ बीजापुर ने माँग की है कि सभी त्रुटियों को सुधारकर पुनः सूची जारी करें।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक किरण देव ने संरपंच संघ के साथ किया बैठक

जगदलपुर। विधानसभा क्षेत्र के आड़ावाल के सामुदायिक भवन में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक श्री किरण देव ने नवनियुक्त संरपंच संघ के पदाधिकारियों से भेंट व मुलाकात कर संघ के पदाधिकारियों से विस्तार से चर्चा कर उनकी समस्या सुनकर उसका समाधान करने का भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक श्री किरण देव ने आश्वासित किया। आड़ावाल के सामुदायिक भवन में आयोजित बैठक में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक श्री किरण देव ने सभी नव नियुक्त संरपंच संघ के पदाधिकारियों को शुभकामनाएं ।

पारंपरिक नृत्य के साथ छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव का आयोजन, ढोल बाजे की धुन में खूब थिरके

बीजापुर । राज्य भर में चल रहे छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव अंतर्गत जिला बीजापुर में कलेक्टर संबित मिश्रा के मार्गदर्शन में संस्कृति विभाग ने मनमोहक प्रस्तुति दी जिससे लोक नृत्य की प्रस्तुति एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय एजुकेशन सिटी बीजापुर में की गई।

कार्यक्रम में जनपद पंचायत बीजापुर से पापनपाल एवं बोरजे तथा जनपद पंचायत भोपालपटनम से सकनापल्ली के नर्तक दलों के साथ एकलव्य विद्यालय एवं छू लो आसमान संस्था के बच्चों ने पारंपरिक लोक गीतों और धुन पर सामूहिक नृत्य की प्रस्तुति दी गई। आकर्षक वेशभूषा और ढोल-बाजे के साथ प्रस्तुत सकनापल्ली, पापनपाल और बोरजे के नर्तक दलों को दर्शकों की खूब सराहना मिली। इसके बाद छू लो आसमान और एकलव्य विद्यालय के छात्र छात्राओं के आकर्षक लोक नृत्य प्रस्तुत कर महोत्सव में रंग भर दिया। कार्यक्रम में डिप्टी कलेक्टर आदित्य कुंजाम सीईओ जनपद पंचायत बीजापुर एपीसी जाकिर खान एकलव्य प्राचार्य अनिल मिश्रा, प्रभारी खेल अधिकारी डी सुबैया उपस्थित थे।

रजत जयंती के अवसर आयोजित हुआ विविध कार्यक्रम

बीजापुर। रजत जयंती के अवसर पर उसूर विकास खंड में विविध कार्यक्रम का आयोजन किया जिसमें पात्र हितग्राहियों को वन अधिकार अधिनिय 2005 अंतर्गत स्वीकृत कुल 303 हितग्राहियों को व्यकिगत वन अधिकार मान्यता पत्र उपस्थित जनप्रतिनिधियों के कर कमलों से जनपद पंचायत प्रांगण में आयोजित वितरण किया गया। शिविर में ज़िला पंचायत अध्यक्ष जानती कोरसा जनपद पंचायत अध्यक्ष पूर्णिमा तेलंम जंप उपाध्यक्ष तिरुपति पुनेम ज़िला पंचायत सदस्य शंकरिया मांडवी अन्य जनपद सदस्य एवं सरपंचों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

ग्राम पंचायत करकेली में रजत जयंती के तहत मेगा हेल्थ कैंप का आयोजन

बीजापुर । रजत जयंती के अवसर पर कलेक्टर श्री संबित मिश्रा के मार्गदर्शन में महिला एवं बाल विकास विभाग के द्वारा विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है इस दौरान ग्राम पंचायत करकेली में मेगा स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया है, जिसमें हितग्राहियों को पोषण शिक्षा स्वास्थ्य एवं देखभाल के बारे में जानकारी बताया गया, ग्राम के 30 एनिमिक महिला हितग्राहियों एवं 42 बच्चों को स्वास्थ्य परीक्षण कर मुफ्त में दवाईयां वितरण किया गया।

सहकार भारती के तत्वाधान में बुनकर प्रकोष्ठ का राष्ट्रीय अधिवेशन प्रारम्भ

समापन सत्र में राज्यपाल और गृह मंत्री होंगे शामिल,

दैनिक लोकशक्ति,रायपुर। सहकार भारती के तत्वाधान में राजधानी के जैनम मानस भवन में बुनकर प्रकोष्ट का दो दिवसीय राष्ट्रीय अधिवेशन आज से प्रारम्भ हो गया। सहकारिता मंत्री केदार कश्यप और सहकार भारती के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय जोशी ने अधिवेशन की शुरुआत पूर्व ध्वजारोहण किया। उद्घाटन सत्र में उप मुख्यमंत्री अरुण साव, सहकारिता मंत्री केदार कश्यप और उद्योग मंत्री लखन लाल देवांगन, अपैक्स बैंक के चैयरमेन केदार गुप्ता, खादी ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष राकेश पांडेय अधिवेशन के उद्घाटन सत्र में शामिल हुए। सहकार भारती द्वारा राजधानी रायपुर के जैनम मानस भवन में 23 अगस्त और 24 अगस्त को देश में पहली बार राष्ट्रीय बुनकर अधिवेशन का आयोजन किया गया है। इसमें उत्तरप्रदेश, बिहार, आसाम,मध्यप्रदेश उड़ीसा महाराष्ट्र सहित देशभर के 17 राज्यों से विभिन्न बुनकर संघों केकरीब 600 प्रतिनिधि शामिल हुए। उद्घाटन सत्र में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के वीडियो संदेश का प्रसारण किया गया। श्री साय अपने संदेश में छत्तीसगढ़ में विभिन्न क्षेत्रों में सहकारिता को मजबूत करने के लिए किए गए कार्यों की जानकारी दी और उन्होंने अधिवेशन की सफलता के लिए आयोजकों और प्रतिभागियों को अपनी शुभकामनाएं भी दीं।

सहकारिता हमारे रग-रग में बसी हुई- अरुण साव

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा कि सहकारिता हमारे रग-रग में बसी हुई है, हम सब 'वसुधैव कुटुम्बकम' की भावना से पले-बढ़े हैं। भारत अपने कुटीर उद्योगों और ग्राम उद्योगों की बदौलत लंबे समय तक पूरी दुनिया के लिए 'सोने की चिड़िया' था, आजीविका के अवसरों को बढ़ाने, देश को आत्मनिर्भर एवं सक्षम बनाने में बुनकर और उनकी सहकार की भावना काफी अहम है।

सहकारिता मंत्री केदार कश्यप ने कहा

कि यह गर्व का विषय है कि अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष में यह अधिवेशन छत्तीसगढ़ में हो रहा है। सहकार से समृद्धि के तहत राज्य में 54 पहल किए गए हैं जो सीधे-सीधे गांवों, गरीबों व किसानों से जुड़े हुए हैं। उन्होंने बताया कि राज्य में लगभग 20 हजार हाथकरघा कार्यरत हैं जिनके माध्यम से 60 हजार 300 लोगों को रोजगार मिल रहा है। राज्य में 329 पंजीकृत प्राथमिक बुनकर सहकारी समितियां महासंघ से जुड़ी हुई हैं जो सरकारी वस्त्र उत्पादन में सक्रिय हैं। महासंघ द्वारा विभिन्न सरकारी विभागों को स्कूल यूनिफार्म, पुलिस ड्रेस, कंबल, चादर और अन्य प्रकार के कपड़ों की आपूर्ति की जा रही है। बुनकर सहकारी समितियों को सुदृढ़ बनाने के लिए राष्ट्रीय सहकारी नीति से प्रेरणा लेकर छत्तीसगढ़ में भी सहकारी नीति तैयार की जा रही है। श्री कश्यप ने सहकार भारती के पदाधिकारियों को अधिवेशन की सफलता के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा कि इस अधिवेशन से बुनकरों में जागरूकता बढ़ाने और सहकारिता आंदोलन को गति प्रदान करने में मदद मिलेगी। अपने उद्बोधन में उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन ने कहा कि बुनकर समाज बड़ी लगन और मेहनत के साथ कार्य करते हैं। बुनकर आदिकाल से बुनकरी के माध्यम से कपड़ा निर्माण का कार्य कर रहे हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में बुनकरों के हित में अच्छे कार्य हो रहे हैं। हमने बुनकरों के सम्मेलन में बुनकरों की मजदूरी बढ़ाने की बात कही थी और मुख्यमंत्री विष्णु देवसाय ने तत्काल बुनकरों की मजदूरी 20 प्रतिशत बढ़ा दी।

चैतन्य बघेल की न्यायिक रिमांड 14 दिनों के लिए बढ़ी

रायपुर। छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित शराब घोटाला मामले में आरोपी बनाए गए पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल को ईडी की विशेष अदालत ने 14 दिनों की न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है। अब चैतन्य बघेल आगामी 6 सितंबर तक जेल में रहेंगे।

बता दें कि चैतन्य बघेल 23 अगस्त तक ईडी की रिमांड पर थे। निर्धारित अवधि पूरी होने के बाद उन्हें विशेष अदालत में पेश किया गया। प्रवर्तन निदेशालय ने अदालत को बताया कि शराब घोटाले से जुड़े मामले में अभी कई पहलुओं की जांच की जानी बाकी है। इसलिए आगे की पूछताछ के लिए आरोपी को फिर से रिमांड पर लेने की आवश्यकता हो सकती है। सुनवाई के बाद विशेष अदालत ने आदेश देते हुए कहा कि चैतन्य बघेल की न्यायिक हिरासत 6 सितंबर तक रहेगी। इसके बाद मामले की सुनवाई फिर से की जाएगी। उस समय ईडी चाहे तो नई रिमांड की मांग कर सकती है। अदालत में पेशी के दौरान सुरक्षा व्यवस्था कड़ी रखी गई थी और पुलिस बल की तैनाती भी की गई।

बता दें कि छत्तीसगढ़ में शराब घोटाला मामले में करोड़ों रुपये के अवैध लेन-देन और वित्तीय गड़बड़ी के आरोप सामने आए हैं। प्रवर्तन निदेशालय ने जांच के दौरान कई कारोबारी और राजनेताओं से पूछताछ की है। इसी कड़ी में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल का नाम भी सामने आया था। ईडी का आरोप है कि शराब कारोबार में अवैध वसूली और धन के लेन-देन में चैतन्य बघेल की भूमिका रही है। इसी आधार पर उन्हें गिरफ्तार कर पूछताछ के लिए रिमांड पर लिया गया था।

भूपेश बघेल का जन्मदिन भरोसा दिवस के रूप में मनाया गया

रायपुर । प्रदेश के कांग्रेस नेता एवं पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का जन्मदिवस आज भरोसा दिवस के रूप में राजधानी में मनाया गया। इस अवसर इनके मित्र शुभचिंतक एवं प्रशंसक बड़ी संख्या में उपस्थित थे। भूपेश बघेल के समर्थकों के अनुसार सुभाष स्टेडियम में आज रंगारंग कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें बड़ी संख्या में विभिन्न समाज के लोग शामिल हुए यहां पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया है भूपेश के समर्थकों के अनुसार वे एक फाइटर नेता है जो कि विपरीत परिस्थितियों में संघर्ष करते हैं। प्रदेश के मुख्यमंत्री पद पर रहते हुए अनेक कल्याणकारी योजनाओं का संचालन किया था जिसमें गोठान एवं धान का बोनस प्रमुख है।

सिर्फडिग्री लेने का नहीं, जीवन गढ़ने का साधन भी है शिक्षा : मेयर संजय पांडे

दंतेश्वरी पीजी महिला महाविद्यालय में दीक्षारंभ समारोह आयोजित

छात्राओं को मिली नई सोच, नई ऊर्जा और जीवन की नई दिशा

जगदलपुर । शिक्षा केवल डिग्री हासिल करने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह जीवन को गढ़ने और समाज को दिशा देने का माध्यम भी है। इसी संदेश के साथ शासकीय दंतेश्वरी पीजी महिला महाविद्यालय में भव्य दीक्षारंभ समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में छात्राओं ने नई शैक्षिक यात्रा का आगाज किया और जीवन के प्रति सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने का संकल्प लिया।

बतौर मुख्य अतिथि जगदलपुर के प्रथम नागरिक महापौर संजय पांडे ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा यह दीक्षारंभ केवल एक औपचारिकता नहीं, बल्कि नई यात्रा की शुरुआत है। छात्र जीवन का हर क्षण महत्वपूर्ण होता है, क्योंकि यही वह समय है जब जीवन की दशा और दिशा तय होती है। शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य केवल डिग्री पाना नहीं, बल्कि ऐसा ज्ञान और कौशल हासिल करना है, जो हमें आत्मनिर्भर बनाए, जीवन गढ़ने में मदद करे और समाज को भी दिशा दे।

उन्होंने छात्राओं को प्रेरित करते हुए कहा कि वर्तमान युग कौशल आधारित शिक्षा का है। यदि शिक्षा से रोजगार न मिले या हम किसी और को रोजगार न दे सकें, तो शिक्षा अधूरी है। उन्होंने जोर दिया कि शिक्षा तभी सार्थक है जब वह समाज को भी लाभ पहुंचाए और आने वाले कल की मजबूत नींव रखे।

स्वच्छता का दिया संदेश

महापौर संजय पाण्डे ने छात्राओं को स्वच्छता के महत्व से भी अवगत कराया। उन्होंने कहा कि व्यक्तिगत स्वच्छता के साथ साथ सामुदायिक स्वच्छता पर भी हम सभी को ध्यान देना जरूरी है। मेयर संजय पाण्डेय ने कहा कि अपने घरों, कार्य स्थलों और स्कूल कॉलजों में गीले और सूखे कचरे को अलग-अलग रखने की आदत डालनी चाहिए। घरों और संस्थानों में दो डस्टबिन का उपयोग हर नागरिक का कर्तव्य है।

उन्होंने कहा स्वच्छता केवल जिम्मेदारी नहीं, बल्कि आदत बननी चाहिए।

बदइंतजामी के विरोध में दल्लीराजहरा का युवक सड़कों के गढ्ढों में कर रहा

और यहां एक पेड़ सड़क पर हुए गड्ढों के नाम

सड़कों के गड्ढों में युवक कर रहा है पौधरोपण

दल्लीराजहरा । लौह नगरी दल्लीराजहरा की सड़कों का बुरा हाल हो गया है। सड़कों पर बड़े बड़े गड्ढे हो गए हैं, जिनमें पानी भरा हुआ है। ये गड्ढे लोगों के लिए परेशानी का सबब बन गए हैं। ऐसे में शहर के एक युवक ने विरोध का नया तरीका अपनाया है।यह युवक गड्ढों में पौधे रोपकर विरोध जता रहा है। आम नागरिक युवक के विरोध के इस तरीके को खूब पसंद कर रहे हैं। कुछ लोगों ने तो विरोध के इस तरीके को एक पेड़ गड्ढों के नाम तक दे डाला है। दल्ली राजहरा में एक नहीं, बल्कि तीन संस्थानों का राज चलता है। एक है राज्य शासन, दूसरा बीएसपी प्रबंधन और तीसरा नगर पालिका। इसके बावजूद दल्ली राजहरा नगर बदहाली की मार झेल रहा है। यहां की सड़कें बहुत ही ज्यादा खस्ताहाल हो चुकी हैं। सड़कों पर जगह जगह बन आए गड्ढे दुर्घटनाओं का कारण बन गए हैं। यहां लोग हादसों में लगातार अपने हाथ पैर तुड़वा रहे हैं जान गंवा रहे हैं, लेकिन सुध लेने वाला कोई नहीं है। इन हालातों को देख शहर के एक युवक ने शासन, बालोद जिला प्रशासन, बीएसपी प्रबंधन और स्थानीय नगर पालिका प्रशासन का ध्यान खींचने के लिए अनोखी तरकीब ढूंढ निकाली है। यह शख्स सड़क पर बने गड्ढे में पेड़ लगाकर लोगों को सतर्क करने के साथ ही जिम्मेदारों को आईना दिखाने का भी काम कर रहा है। सड़क पर बने गड्ढों से परेशान आने जाने वाले स्थानीय लोगों का समस्या का समाधान व अधिकारियों, प्रशासन के आंखों में लगी पट्टी खोलने का प्रयास यह युवक कर रहा है। इस शख्स का नाम है डेविड जो मानपुर चौक का रहने वाला है, जो आपका भी काम आ सकती है द्य यह पहली बार नहीं है, जब लोगों ने प्रशासन को जगाने के लिए अनोखे कदम उठाए हों। जहां एक शख्स ने सड़क के बीचो-बीच बने गड्ढे में अशोक का पेड़ लगा दिया। शख्स का कहना है कि लंबे समय से यहां गड्ढा बना हुआ है। इससे आम लोगों को यहां से चलना मुश्किल हो गया है। लोगों को इससे होने वाली परेशानी से बचाने और जिम्मेदार अधिकारियों को जगाने लिए इस शख्स ने सड़क के बीचों-बीच अशोक का पेड़ लगा दिया और उसका तस्वीर खींचकर लोगों को शेयर कर दिया। बताया जा रहा है कि गड्ढे की वजह से दुर्घटना होने की संभावना बनी रहती है। जिससे आएदिन आम लोगों को तकलीफहो रही है तथा इससे आवागमन भी प्रभावित हो रहा है।

राजधानी में हो रही सुबह से ही अनवरत वर्षा

रायपुर। राजधानी में आज रिमझिम वर्षा सुबह से ही प्रारंभ हो गई। जिसके चलते अनेक स्थानों पर जलभराव की स्थिति निर्मित हो गई है। वहीं प्रदेश के कई नदी नाले भी उफान पर चल रहे हैं। मौसम विभाग से मिली जानकारी के अनुसार एक अपदाब बनने से पूरे प्रदेश सहित अनेक स्थानों पर वर्षा हो रही है। राजधानी में आज सुबह से ही रिमझिम वर्षा होने के कारण जयस्तंभ चौक मौदहापारा प्रोफेसर कालोनी समता कालोनी, सहित अन्य स्थानों पर जलभराव की स्थिति निर्मित हो गई है। यहां पर नगर निगम के निर्वाचित पार्षद वस्तुस्थिति को देखने के लिए पहुंचे। राजधानी में विपरित मौसम का असर लोगों के स्वास्थ्य पर वितरित असर पड़ रहा है। इस समय पेचिस पीलिया, वायरल फीवर से लोग त्रस्त है। इसलिए इन दिनों निजी एवं शासकीय अस्पताल में उपचार के लिए लोगों की भारी भीड़ लगी हुई है। इस समय बस्तर के दक्षिण तथा उत्तरी क्षेत्र में अच्छी वर्षा हो रही जिसके कारण नदी नाले उफान पर चल रहे हैं।

4930 क्विंटल अमानक चावल को किया रिजेक्ट किया नान ने

कस्टम मिलिंग के लिए यह है मानक

जगदलपुर। जिले में नागरिक आपूर्ति निगम के क्वालिटी इंस्पेक्टर और अधिकारियों द्वारा चावल की जांच की जा रही है और मापदंड में खरा नहीं उतरने वाले चावल को रिजेक्ट कर मिलर्स को वापस किया जा रहा है। नान के अधिकारियों ने मिलर्स को मानक के अनुसार चावल जमा करने कहा है, इसके बावजूद मिलर्स मापदंड के मुताबिक चावल जमा नहीं कर रहे हैं। कस्टम मिलिंग में अब तक 4930 क्विंटल चावल रिजेक्ट कर दिया गया है। रिजेक्ट किए गए चावल में टूटन की मात्रा ज्यादा और पालिश की मात्रा कम पायी गयी है।

इस संबंध में नान के प्रबंधक ने बताया कि मिलर्स ने अब तक 1915 लाट चावल जमा किया है। यह चावल 5 लाख 55 हजार 350 क्विंटल है। इसमें से अब तक 11896 लाट का स्वीकृत किया है। बाकी का बचा हुए 19 लाट अमानक है। एक लाट में 290 क्विंटल चावल आता है। उल्लेखनीय है कि जी चावल मिलर्स के द्वारा जमा किया जाता है उसे पीडीएस सिस्टम के तहत इस साल गरीब और सामान्य परिवारों को दिया जाएगा। बारिश के बीच रिजेक्ट चावल को फिर से लाना और उसकी मिलिंग कर फिर उसे वापस जमा करना इन दिनों मिलर्स के लिए मुसीबत बना हुआ है। राइस मिलर्स के द्वारा जमा किए जाने वाले चावल की जांच क्वालिटी इंस्पेक्टर्स के द्वारा की जाती है। इसके बाद जो मिलर्स इस जांच को लेकर संतुष्ट नहीं होते हैं, क्वालिटी इंस्पेक्टर्स एक बार फिर से मिलर्स के सामने सभी पैरामीटर्स पर इसकी जांच करते हैं। मिलर्स ने कहा कि चावल की क्वालिटी को लेकर प्रबंधक और इंस्पेक्टर ने कोई समझौता नहीं किया और जिस लाट का चावल जांच में अमानक पाया गया, उसे उन्हें वापस कर

भारतीय खाद्य निगम द्वारा तय मापदंड का पालन मिलर्स द्वारा नहीं किया जा रहा है। इनमें चावल में ब्रोकन की मात्रा 25 प्रतिशत, 14 प्रतिशत पालिश, 14 प्रतिशत नमी से अधिक अशुद्धियां नहीं पाई जानी चाहिए। क्वालिटी इंस्पेक्टर को प्रत्येक बोरे के चावल की जांच करनी होती है। 10 प्रतिशत या इससे अधिक चावल के बोरों के बीच से बंबू कर सैंपल लेने हैं। सरकार पहले समितियों के माध्यम से किसानों से धान खरीदती है। यह धान इन समितियों के माध्यम से. सीधे मिलर्स तक पहुंचता है। वे मिलिंग कर इसे छत्तीसगढ़ स्टेट वेयर हाउस में जमा करा देते हैं। चावल की जांच को लेकर नागरिक आपूर्ति निगम का अपना सिस्टम है। स्टेट वेयर हाउस से क्वालिटी इंस्पेक्टर द्वारा चावल का परीक्षण कर पास दिया। मिलर्स ने कहा कि चावल के अस्वीकृत होने का सबसे बड़ा कारण उसमें टूटन की मात्रा का ज्यादा होना है। इस टूटन का कारण धान में अधिक नमी और बार-बार चावल की लोडिंग और अनलोडिंग होना है। नान के प्रबंधकों के द्वारा इस समय करपावंड, घाटलाहेंगा, केशलूर और जगदलपुर के वेयर हाउस में की जा रही है।

मंत्रालय में स्टाफ की कमी से आवश्यक कामकाज प्रभावित, 300 से अधिक कर्मचारी हो चुके रिटायर्ड

आईएएस अधिकारियों का 162 का कैडर स्वीकृत होने से दोहरे प्रभार पर

रायपुर । महानदी मंत्रालय में इस समय कर्मचारियों और अधिकारियों का टोटा बना हुआ है जिससे वर्क ऑफ कल्चर नहीं पनप रहा है। आईएएस अधिकारी सहित कर्मचारियों की निरंतर सेवानिवृत्ति के पश्चात यहां पर अधिकारी एवं कर्मचारी के पास इतना वर्क लोड हो गया है कि वे काम नहीं कर पा रहे हैं।

मिली जानकारी के अनुसार सरकारी विभागों को 17 ग्रुप में रखकर प्रशासनिक कामकाज किया जा रहा है। 13 वर्ष के रिव्यू के पश्चात पाया गया है कि अब तक 300 से 325 कर्मचारी सेवानिवृत्त हो चुके हैं तथा कई अधिकारी जो कि विभिन्न जिलों विशेष कर दुर्ग जिले से आए थे वे अपनी मूल विभाग में चले गये हैं। सबसे ज्यादा कर्मचारी शिक्षा विभाग से तथा जिला कार्यालय से आए थे। दुर्ग राजनांदगांव तथा डोंगरगढ़ से मंत्रालय कर्मचारी प्रतिदिन अप डाउन कर रहे थे जिनकी सुविधा के लिए रेलवे स्टेशन में बस लगायी जाती है। इन्हें मंत्रालय प्रतिदिन लाया ले जाया जाता है।

मुख्य सचिव से मिली जानकारी के अनुसार डीओपीटी मंत्रालय ने राज्य के लिए 162 आईएएस अधिकारियों का कैडर तय किया है। इनमें से अधिकांश अधिकारी राज्य प्रशासनिक सेवा से आ रहे हैं। वहीं डारेक्ट आईएएस की कमी भी है इस समय प्रमुख सचिव स्तर के अधिकारी बढ़ते जा रहे है जबकि नीचे लेबल के अधिकारी कम हो रहे हैं। जिसके कारण आवश्यक कामकाज प्रभावित हो रहा है। उच्च शिक्षा आयुक्त संतोष देवांगन वर्तमान में आयुक्त के अलावा वन विभाग के विशेष सचिव, प्रमुख सचिव सुबोध सिंह, पी दयानंद तथा अविनाश चंपावत दोहरे प्रभार पर है। जिसके चलते वे एक विभाग में अपना समय नहीं दे पाते हैं। सबसे बुरा हाल उच्च शिक्षा का है जहां पर आयुक्त से फाइल होकर सचिव के पास जाती है। इसके पश्चात प्रमुख सचिव के हस्ताक्षर से फाइल भार साधक के पास पहुंचती है जिसके कारण यहां पर कामकाज प्रभावित हो रहा है स्कुल शिक्षा में भी यही हाल है। प्रदेश के अन्य विभागों में जिसमें वित्त सामान्य प्रशासन एवं आदिम जाति विभाग में दोहरे प्रभार में है। जिसके कारण नियमित कामकाज नहीं हो पा रहा है।

मिनी गोवा में बह गया छात्र, 21 घंटे बाद मिला शव

जगदलपुर। करपावंड थाना पुलिस ने आज दो अलग-अलग स्थानों पर छापेमारी कर शराब की तस्करी में लिप्त 7 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से कुल 1.40 लाख रुपए कीमत की अंग्रेजी शराब जब्त की है। थाना प्रभारी हरिशचंद्र निषाद ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए औरंगाबाद (बिहार) निवासी मुन्ना सिंह और नवरंगपुर (ओडिशा) निवासी भूजो भतरा से 148 लीटर ओडिशा निर्मित अंग्रेजी शराब, जिसकी कीमत 38,760 रुपए है, जब्त की गई। इसी तरह दूसरे मामले में करपावंड क्षेत्र के दुर्योधन कश्यप, पितम नेताम, सोनूराम नेताम, नामेराम कश्यप और देवेंद्र कोर्राम को गिरफ्तार किया गया।

मिनी गोवा में बह गया छात्र, 21 घंटे बाद मिला शव

जगदलपुर । चित्रकोट के पास मिनी गोवा में गुरुवार को स्नान के दौरान नदी में बहे युवक का शव 21 घंटे की मशक्कत के बाद आज बरामद किया गया है। लोहंडीगुड़ा पुलिस ने बताया कि धरमपुरा निवासी अभय नारायण सिंह (21 वर्ष) अपने दोस्तों के साथ पिकनिक मनाने गया था। स्नान के दौरान तेज बहाव की चपेट में आने से वह नदी में बह गया। सूचना पर एसडीआरएफकी टीम ने लगातार दूसरे दिन सर्च ऑपरेशन चलाया और करीब दो किमी दूर शव को बरामद किया। मृतक अभय दिल्ली के बीएयू में बी. कॉम फाइनल ईयर का छात्र था, वहीं उसके पिता किलेपाल में शिक्षक हैं।

संपादकीय

बेबुनियादी आरोपों की जांच होना आवश्यक

क्या राहुल गांधी अपने बेबुनियादी आरोपों के सहारे बिहार में वोट मांगेगे? बिहार में वोट अधिकार यात्रा कर राहुल गांधी जिस वक्त वोट चोरी का आरोप मढ़ रहे थे, ठीक उसी वक्त मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार दिल्ली में जवाबी कार्रवाई का ऐलान कर रहे थे। उन्होंने प्रेस कांफ्रेस के मार्फत से राहुल के सवालों का जवाब देते हुए आरोपों को बेबुनियादी ठहराया। बिना हलफनामा दाखिल किए, इनकी जांच नहीं होने की बात करते हुए ज्ञानेश ने कहा, यदि राहुल सात दिन के भीतर माफी नहीं मांगते तो इन आरोपों को बेबुनियादी समझा जाएगा। गांधी ने आयोग पर वोट चोरी के आरोप लगाते हुए पांच सवाल किए थे। कुमार ने वोट चोरी जैसे शब्दों के प्रयोग को करोड़ों मतदाताओं व लाखों चुनाव कर्मचारियों की ईमानदारी पर हमला बताया। आयोग का दावा है कि देश के तीन लाख नागरिकों की एपिक संख्या मिलती-जुलती है। जिसके संज्ञान में आते ही बदलाव किया गया।

रुखसार का तेरे असर कुछ ऐसा ,

आँखों से झलकता इक मय-खाना।
तेरी ज़ुल्फ़ों में बसा इक आशियाना।

तेरी ज़ुल्फ़ों की छाँव में सुकून पाया,
जख्मों को भूलकर तुझे अपनाया ।

ज़ुल्फ़ों में जुगनुओं का बोलबाला ,
इन अँधेरों से रौशन मेरा सरमाया ।
(सरमाया-पूंजी,दौलत)

तेरे चेहरे पे जब ज़ुल्फें बिखर जाती
चाँद भी देख तुझे लज्जा से शरमाया ।

ज़ुल्फ़ों की सलामती दुआ करता हूँ,
साये में इसके मैंने जन्नत को पाया ।

रुखसार का तेरे असर कुछ ऐसा ,
ज़ुल्फ़ों में ही खोकर सारा जहाँ पाया ।

(रुखसार- गाल,सुंदर चेहरा,)

- संजीव ठाकुर ।

QR CODE SCAN
कर प्रेमेन्द्र अग्रवाल द्वारा लिखित पुस्तकें पढ़िये ऑनलाईन

PM : 2024 - Vishwa Sarkar Ka Vikalp
Modimaya_ Vaidik_Netritva
Rashtriya Ekta
DLF-Vadra-Bhrasht Tantra
Silent Assassins Jan11,1966
Accursed & Jihadi Neighbour

साइबर अपराध पर 250 करोड़ का जुर्माना, भारत से यूरोप-अमेरिका तक कानून की नई लड़ाई!

अभिमनोज

डिजिटल क्रांति ने दुनिया को जोड़ने के साथ ही अपराध की दुनिया को भी बिना सीमाओं वाला बना दिया है। भारत में उत्तर प्रदेश सरकार का हालिया कदम–डाटा चोरी पर 250 करोड़ रुपये तक का जुर्माना, इस चुनौती से निपटने की दिशा में ऐतिहासिक माना जा रहा है। लेकिन इस पहल का महत्व केवल एक राज्य या देश तक सीमित नहीं है, बल्कि यह दुनिया भर के साइबर कानूनों और न्याय व्यवस्था की बड़ी बहस का हिस्सा है।भारत में यह चर्चा ऐसे समय हो रही है जब यूरोप और अमेरिका पहले से ही डाटा सुरक्षा और प्राइवेसी को लेकर कड़े कदम उठा चुके हैं। यूरोपियन यूनियन का GDPR (General Data Protection Regulation) आज पूरी दुनिया में मानक बन चुका है, जिसमें कंपनियों पर अरबों यूरो तक का जुर्माना लगाने की क्षमता है। वहीं, अमेरिका में California Consumer Privacy Act (CCPA) और हाल ही में बने संघीय स्तर पर प्रस्तावित American Data Privacy Protection Act (ADPPA), नागरिकों की डाटा सुरक्षा को आर्थिक व कानूनी ताकत से जोड़ने का प्रयास कर रहे हैं।भारत में 250 करोड़ रुपये तक के जुर्माने का प्रस्तावित प्रावधान केवल जुर्माना नहीं, बल्कि एक मानसिक बदलाव का संकेत है। यह भारत को यूरोप और अमेरिका की पंक्ति में खड़ा करता है, लेकिन अपनी सामाजिक-आर्थिक परिस्थितियों और फॉरेंसिक-आधारित कानून प्रवर्तन की वजह से यह ÷भारतीय मॉडल÷ अलग राह दिखाता है।अगले कुछ वर्षों में यह मॉडल यदि सफल हुआ तो भारत वैश्विक स्तर पर ÷साइबर लॉ इनोवेशन÷ का नया केंद्र बन सकता है।

भारत में सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम (आईटी एक्ट, 2000) और हाल ही में बने डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन एक्ट, 2023 डाटा सुरक्षा का आधार प्रदान करते हैं। परंतु इन कानूनों की व्यावहारिक चुनौती यह है कि इनके तहत अभी तक दंड और जुर्माने का ढांचा यूरोप-अमेरिका की तरह भयभीत करने वाला नहीं रहा। यूपी सरकार द्वारा सुझाया गया 250 करोड़ रुपये का जुर्माना इस लिहाज से एक मिसाल बन सकता है कि भारत अब केवल चेतावनी तक सीमित न रहकर दंडात्मक कठोरता की ओर बढ़ रहा है।

कानूनी विश्लेषण: यूरोप बनाम अमेरिका बनाम भारत यूरोप (GDPR मॉडल) –

GDPR किसी भी कंपनी को जो यूरोपियन नागरिकों का डाटा प्रोसेस करती है, 20 मिलियन यूरो या फिर उनकी कुल वार्षिक वैश्विक आय का 4% तक का जुर्माना लगाने का प्रावधान करता है।

इसका प्रभाव यह हुआ कि फेसबुक, गूगल और अमेज़न जैसी दिग्गज कंपनियों को अरबों डॉलर के जुर्माने चुकाने पड़े।

कानूनी दृष्टि से GDPR न केवल सुरक्षा, बल्कि ÷डाटा अधिकार÷ को भी नागरिकों के मौलिक अधिकार की तरह मान्यता देता है।

अमेरिका (CCPA ADPPA) –

अमेरिका का मॉडल यूरोप की तरह केंद्रीकृत और कठोर नहीं है, बल्कि राज्य-स्तरीय कानूनों पर आधारित है।

कैलिफोर्निया का CCPA उपभोक्ताओं को कंपनियों से यह पूछने का अधिकार देता है कि उनका डाटा किस उद्देश्य से उपयोग हो रहा है।

हालांकि अमेरिका में जुर्माने की सीमा यूरोप जितनी ऊंची नहीं है, लेकिन मुकदमों और क्लास एक्शन सूट्स के जरिए कंपनियां अरबों डॉलर का हर्जाना भरने को मजबूर होती हैं।

भारत (DPDP Act और प्रस्तावित कदम)

भारत का नया कानून अभी ÷बेसिक प्रोटेक्शन÷ के स्तर पर है। इसमें जुर्माने का प्रावधान 250 करोड़ रुपये तक है, लेकिन इसके प्रवर्तन और न्यायिक निगरानी की चुनौती बनी रहेगी।

भारत की सामाजिक-आर्थिक स्थिति में यह सवाल उठता है कि क्या छोटे और मध्यम स्तर की कंपनियां ऐसे दंड का सामना कर पाएंगी या यह केवल बड़ी कंपनियों पर लागू होगा।

भारत की राह क्यों अलग है?

भारत की समस्या यूरोप और अमेरिका से अलग है। यहां न केवल कंपनियां बल्कि छोटे साइबर कैफे, लोकल सर्विस प्रोवाइडर, ऐप डेवलपर और यहां तक कि शैक्षिक संस्थान तक डाटा लीक के केंद्र बन सकते हैं। भारत को कानून बनाते समय यह देखना होगा कि कठोर जुर्माना केवल ÷डर÷ पैदा न करे, बल्कि सिस्टम को सुरक्षित बनाने का स्थायी ढांचा तैयार करे।

यूपी का कदम इस मायने में अलग है कि यह कानून प्रवर्तन और फॉरेंसिक साइंस को केंद्र में रखता है। यूरोप और अमेरिका जहां निगरानी एजेंसियों व न्यायालय पर भरोसा करते हैं, वहीं भारत में ÷फॉरेंसिक ऑडिट÷ और ÷मोबाइल फॉरेंसिक वैन÷ जैसे उपाय अनोखे प्रयोग हैं। यह भारतीय संदर्भ में अधिक व्यावहारिक साबित हो सकता है।

साइबर युद्ध का नया दौर

साइबर अपराध अब केवल चोरी या धोखाधड़ी का मामला नहीं रहा। यूरोपियन यूनियन की संसद और अमेरिकी चुनावों पर हैकिंग हमलों से यह साफ है कि साइबर क्राइम ÷राष्ट्रीय सुरक्षा÷ से जुड़ा हुआ है। भारत में भी हाल ही में AI-आधारित फिशिंग अटैक, बैंकिंग ट्रोजन और सोशल इंजीनियरिंग के मामलों में तेज़ी आई है।

इस संदर्भ में 250 करोड़ का जुर्माना केवल ÷आर्थिक दंड÷ नहीं है, बल्कि यह संदेश है कि भारत अब साइबर अपराध को ÷आम अपराध÷ नहीं बल्कि ÷रणनीतिक अपराध÷ मानकर उससे निपटेगा।

डाटा ऑडिट: जैसे वित्तीय ऑडिट होता है, वैसे ही कंपनियों के लिए नियमित डाटा ऑडिट अनिवार्य किया जाना चाहिए।

डिजिटल इंश्योरेंस: डाटा चोरी और साइबर हमलों से बचाव हेतु कंपनियों और व्यक्तियों के लिए बीमा योजनाएं आवश्यक होंगी।

अंतरराष्ट्रीय सहयोग: भारत को यूरोप और अमेरिका की तरह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर साइबर अपराधियों के प्रत्यर्पण और खुफिया साझेदारी को मजबूत करना होगा।

भारत का साइबर फ्रंटियर और कानूनी सख्ती

भारत में इंटरनेट उपयोगकर्ताओं की संख्या 85 करोड़ से अधिक हो चुकी है। मोबाइल बैंकिंग, डिजिटल पेमेंट्स और सोशल मीडिया की लोकप्रियता ने जहां आर्थिक और सामाजिक अवसर बढ़ाए हैं, वहीं डाटा चोरी की घटनाएं भी तेजी से सामने आई हैं। यूपी सरकार का कदम इसी बढ़ते खतरे को रोकने की दिशा में है। फॉरेंसिक साइंस को कानून प्रवर्तन में अनिवार्य करने का निर्णय यह दर्शाता है कि अब अपराधियों को पकड़ने के लिए तकनीकी साक्ष्य ही निर्णायक होंगे।

नोएडा में आयोजित कार्यशाला में विशेषज्ञों ने साफ कहा कि ÷डाटा अब नया तेल ÷ है और इसे बचाना किसी भी देश की आर्थिक संप्रभुता से जुड़ा हुआ सवाल है। इसी वजह से जुर्माने की राशि इतनी बड़ी रखी जा रही है कि कंपनियां और संस्थाएं लापरवाही न करें।

वैश्विक स्तर पर डाटा सुरक्षा का परिप्रेक्ष्य

भारत का यह कदम अकेला नहीं है। यूरोपीय संघ का तष्ठक्क्ष पहले से ही यह प्रावधान करता है कि डाटा उल्लंघन पर कंपनियों को उनकी सालाना वैश्विक आय का 4त्न या 20 मिलियन यूरो (जो भी ज्यादा हो) तक का जुर्माना भरना पड़ेगा। इसी तरह, अमेरिका में उपभोक्ताओं को डाटा चोरी पर मुकदमे और मुआवजे का अधिकार देता है।चीन ने भी हाल ही में लागू किया है, जिसमें कंपनियों पर भारी जुर्माना और अधिकारियों पर व्यक्तिगत जिम्मेदारी तय की गई है। यह स्पष्ट है कि भारत जिस दिशा में बढ़ रहा है, वह दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं की राह से मेल खाती है।

डिजिटल बीमा और डाटा ऑडिट का नया दौर

खबरें हैं कि नोएडा में साइबर क्राइम विषयक जागरूकता कार्यशाला का आयोजित की गई, जिसमें डिजिटल युग में बढ़ते साइबर खतरों के मद्देनजर उनसे निपटने की रणनीतियों पर विस्तार से चर्चा की गई.इस कार्यशाला में उत्तर प्रदेश स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेंसिक साइंस के संस्थापक निदेशक डॉ. जीके गोस्वामी, एडिशनल सीपी अजय कुमार सहित उद्यमियों, बैंकिंग सेक्टर के प्रतिनिधियों, आरडब्ल्यूए के सदस्यों, सोशल वर्कर्स और पुलिसकर्मियों ने भाग लिया.कार्यशाला में डॉ. जीके गोस्वामी ने जो विचार रखे, वह भविष्य की झलक दिखाते हैं। उन्होंने कहा कि जैसे वित्तीय ऑडिट होता है, वैसे ही डाटा ऑडिट अनिवार्य होगा। इसका मतलब है कि हर संस्था को यह साबित करना होगा कि उन्होंने उपभोक्ताओं के डाटा की सुरक्षा के लिए पर्याप्त कदम उठाए हैं।साथ ही, ÷डिजिटल इंश्योरेंस÷ का विचार भी तेजी पकड़ रहा है। जिस प्रकार स्वास्थ्य, फसल या अग्नि बीमा होता है, वैसे ही भविष्य में डिजिटल बीमा होगा। इसका अर्थ है कि यदि किसी संस्था का डाटा चोरी होता है, तो उस नुकसान की भरपाई बीमा से की जा सकेगी। दुनिया के कई देशों में साइबर इंश्योरेंस पहले से मौजूद है, और भारत भी इस ओर बढ़ रहा है।

साइबर अपराध अब किसी एक देश तक सीमित नहीं है। रैनसमवेयर गैंग रूस और पूर्वी यूरोप से संचालित हो रहे हैं, जबकि फिशिंग और कॉल फ्रॉड दक्षिण एशिया और अफ्रीका से फैलाए जा रहे हैं। भारत में भी कई अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क सक्रिय हैं, जो डार्क वेब के जरिए डाटा बेचते हैं।विश्वस्तरीय रिपोर्ट्स के अनुसार, हर साल वैश्विक अर्थव्यवस्था को साइबर अपराध से 6 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर का नुकसान होता है। यह आंकड़ा आतंकवाद, प्राकृतिक आपदा और पारंपरिक अपराधों से कहीं अधिक है। ऐसे में भारत का 250 करोड़ रुपये जुर्माना न केवल स्थानीय बल्कि अंतरराष्ट्रीय कंपनियों के लिए भी चेतावनी है कि उन्हें भारतीय उपभोक्ताओं के डाटा की सुरक्षा करनी ही होगी।कार्यशाला में सोशल मीडिया पर डाटा साझा करते समय सावधानी बरतने की अपील की गई। विशेषज्ञों का कहना था कि ÷आज के समय में पैसे से ज्यादा कीमती डाटा है।÷ इसलिए आम जनता को भी समझना होगा कि मुफ्त ऐप्स, फ्री वाई-फाई और अज्ञात लिंक पर क्लिक करना कितना खतरनाक हो सकता है।जुर्माना केवल कंपनियों पर नहीं, बल्कि यदि व्यक्ति भी जानबूझकर डाटा चोरी में शामिल होता है, तो उसे जेल और आर्थिक दंड भुगतना पड़ सकता है।

यह निजी विचार है।

क्या कोई राहुल को 1987 के जम्मू कश्मीर के चुनाव की याद नहीं दिलाता है?

अजीत द्विवेदी

कांग्रेस के नेता राहुल गांधी इन दिनों मूर्तिभंजन में लगे हैं। वे प्रतिमाओं के सिंदूर खरोंच रहे हैं। वे इस संकल्प और रणनीति के साथ काम कर रहे हैं कि अगर हम चुनाव नहीं जीत सकते हैं तो चुनाव की पूरी प्रक्रिया को संदिग्ध बना दिया जाए। अगर हम किसी मुकदमे में फंसे हैं तो जांच की पूरी प्रक्रिया और हर जांच एजेंसी को संदिग्ध बना दिया जाए। अगर हमारी खबरों को प्रमुखता से जगह नहीं मिलती है तो मीडिया की साख को संदिग्ध बना दिया जाए।

अगर कारोबारी हमें चंदा नहीं देते हैं या कम देते हैं तो सभी कारोबारियों को क्रोनी कैपिटलिस्ट साबित कर दिया जाए। अगर अधिकारी हमें सलामी नहीं देते हैं तो पूरी नौकरशाही को भ्रष्ट और सरकार का पिछलग्गू बता दिया जाए। अगर न्यायपालिका से मनमाफिक फैसला नहीं आता है तो उसे सरकार के लिए प्रतिबद्ध बता दिया जाए। इस तरह वे हर संस्था को तहस नहस करने की दिशा में बढ़ गए हैं। ऐसी अराजक राजनीति कुछ समय पहले आम आदमी पार्टी के अरविंद केजरीवाल ने शुरू की थी। हालांकि मुख्यमंत्री रहने और दो राज्यों में सरकार बनाने के बाद उनकी राजनीति में ठहराव आ गया है।

अब राहुल गांधी ने केजरीवाल की राजनीतिक किताब का एक पन्ना खोल कर उसे पढ़ना शुरू किया है। हालांकि दोनों में फर्क यह है कि केजरीवाल ने अपनी राजनीतिक पार्टी 2012 में बनाई, जबकि राहुल गांधी की पार्टी कांग्रेस देश की सबसे पुरानी पार्टी है और सबसे लंबे समय तक सत्ता में रही है। सत्ता भी सबसे लंबे समय तक राहुल गांधी के परनाना, उनकी दादी और उनके पिता के हाथ में रही है। परोक्ष रूप से 10 साल तक शासन उनकी मां और उनके हाथ में भी रहा है। कांग्रेस ने अपने लंबे शासन में संस्थाओं को जो रूप दिया और जिस तरह से संस्थाओं का इस्तेमाल किया आज भी संस्थाएं उसी तरह से काम कर रही हैं। कह सकते हैं कि उसके मुकाबले गिरावट ज्यादा आ गई है। तब भी यह सिर्फ डिग्री का ही फर्क है।

सोचें, राहुल गांधी चुनाव की पूरी प्रणाली को मर चुका बता रहे हैं। कांग्रेस को इस बात पर आपत्ति है कि चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति में सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस को हटा कर सरकार के एक कैबिनेट मंत्री को रखा गया। लेकिन कांग्रेस के लंबे शासनकाल में तो सीधे सरकार ही चुनाव आयुक्तों को नियुक्त करती थी! राहुल गांधी के सक्रिय राजनीति में आने के बाद कांग्रेस पार्टी ने मुख्य चुनाव आयुक्त के पद से रिटायर हुए एमएस गिल को मनमोहन सिंह की सरकार में मंत्री बनाया था।

राहुल के सक्रिय राजनीति में आने के बाद परिवार के प्रति निष्ठावान नवीन चावला को चुनाव आयुक्त बनाया गया था। इतना ही नहीं उन पर विवाद होने के बावजूद उनको मुख्य चुनाव आयुक्त बनाया गया। लेकिन अब राहुल इस बात पर सवाल उठा रहे हैं कि चुनाव आयुक्त को प्रधानमंत्री, नेता प्रतिपक्ष और एक कैबिनेट मंत्री की सदस्यता वाली कमेटी क्यों चुनती है? क्या वे चाहते हैं कि चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति विपक्ष को करने दिया जाए?

इसी तरह राहुल गांधी जब चुनाव आयोग पर वोट चोरी करने का आरोप लगाते हैं तो क्या कोई उनको 1987 के जम्मू कश्मीर के चुनाव की याद नहीं दिलाता है? कांग्रेस और नेशनल कॉन्फ्रेंस गठबंधन को चुनाव जिताने के लिए उस समय क्या किया गया था, यह इतिहास में दर्ज है। वैसी धांधली, वैसा जुल्म, वैसी वोट की चोरी आजाद भारत के इतिहास में तो नहीं देखी गई है। कांग्रेस चुनाव तो जीत गई, लेकिन चुनाव के बाद जम्मू कश्मीर के लोगों का दिल्ली के शासन से ऐसा मोहभंग हुआ कि लोग आजादी चाहने लगे, जिससे पाकिस्तान को मौका मिला और पूरा प्रदेश आतंकवाद व छद्म युद्ध की चपेट में आ गया। उस वोट के लूट की जिम्मेदार राजीव गांधी की केंद्र सरकार थी। ऐसी अनेक और भी मिसालें दी जा सकती हैं। सबको यहां लिखने की जरुरत नहीं है।

ऐसे ही वे न्यायपालिका से लेकर जांच एजेंसियों और मीडिया से लेकर कॉरपोरेट तक को कठघरे में खड़ा करते हैं। वे कांग्रेस का इतिहास भूल जाते हैं या उनको जानकारी ही नहीं है कि मौजूदा सिस्टम कांग्रेस का ही बनाया हुआ है। अभी तो कम से न्यायपालिका में वरिष्ठता के आधार पर नियुक्ति हो रही है। इंदिरा गांधी ने तो वरिष्ठता के नियम को ही बदल दिया था। उन्होंने 1973 में जस्टिस एमएन शेलत, जस्टिस एएन ग्रोवर और जस्टिस केएस हेगड़े की वरिष्ठता को दरकिनार करके चौथे नंबर के जज जस्टिस अजित नाथ रे को चीफ जस्टिस बनाया था और चार साल बाद 1977 में जस्टिस हंसराज खन्ना की वरिष्ठता को दरकिनार करके जस्टिस हमीदुल्ला बेग को चीफ जस्टिस बनाया था।

गौरतलब है कि जस्टिस हंसराज खन्ना ने इमरजेंसी में मौलिक अधिकार निलंबित करने के इंदिरा गांधी सरकार के फैसले की आलोचना की थी और उसके खिलाफ अपना निर्णय् दिया था। ध्यान रहे जजों के रिटायर होने के बाद उनको मलाईदार पदों पर बैठाने का चलन भी कांग्रेस ने ही शुरू किया। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग का अध्यक्ष कोई रिटाय़र चीफ जस्टिस ही होगा यह नियम कांग्रेस की सरकार ने बनाया और सबसे पहले जस्टिस रंगनाथ मिश्र उस पद पर बैठे।

कारोबारियों का मामला भी कुछ अलग नहीं है। राहुल गांधी आरोप लगाते हैं कि देश की सारी संपत्ति चार पांच लोगों के हाथ में सौंप दी गई है। यह चलन भी कांग्रेस का ही शुरू किया हुआ है। आजादी के बाद सोवियत मॉडल पर कंपनियों को लाइसेंस बांटे जाते थे। राहुल गांधी के दादा फिरोज गांधी ने इसमें गड़बड़ी के आरोप लगाए थे। हालांकि तब कोई जांच नहीं हो सकी लेकिन उनके निधन के कई साल बाद 1967 में इसकी जांच के लिए आरके हजारी के नेतृत्व में हजारी कमेटी का गठन किया गया था। कमेटी ने इंडस्ट्री डेवलपमेंट एंड रेगुलेशन एक्ट 1951 के तहत दिए गए लाइसेंसों की समीक्षा की थी। बाद में इस कमेटी की रिपोर्ट पर आगे की कार्रवाई के लिए सुबिमल दत्ता की कमेटी बनी थी। इन दोनों की रिपोर्ट में कहा गया कि लाइसेंसिग नीति में भ्रष्टाचार है और चुनिंदा कंपनियों को मदद की जा रही है। यहां तक रिपोर्ट आई कि आजादी के बाद जितने लाइसेंस बांटे गए थे उनमें से 60 फीसदी से ज्यादा लाइसेंस सिर्फ एक कंपनी, बिड़ला समूह को दिए गए थे।

जहां तक केंद्रीय एजेंसियों का सवाल है तो कांग्रेस के शासन में ईडी ने 65 फीसदी मुकदमे विपक्षी पार्टियों के नेताओं और उनके करीबियों पर किए थे और अब 95 फीसदी मामले ऐसे हो रहे हैं। तो यहां भी फर्क सिर्फ डिग्री का है, पैमाने का है। पहले भी एजेंसियां सरकार में बैठे लोगों के विरोधियों को परेशान करने के लिए काम करती थीं और आज भी करती हैं। राज्यों में जहां जिस विपक्षी पार्टी की सरकार है वहां वह दूसरी पार्टियों के खिलाफ राज्य की एजेंसियों का ऐसे ही इस्तेमाल कर रही हैं। इसी तरह जब तक कांग्रेस पार्टी ताकतवर रही मीडिया उसकी चरणवंदना करता रहा और जब कमजोर हुई तो उस पर टूट पड़ा। आज भाजपा ताकतवर है तो मीडिया उसके चरणचुंबन कर रहा है।

इसलिए ऐसा नहीं है कि पिछले 10 साल में सब कुछ पूरी तरह से बदल गया है या बिल्कुल नई कार्य संस्कृति आ गई है। कार्य संस्कृति पुरानी ही है फर्क सिर्फ इतना है कि उसकी डिग्री बढ़ा दी गई है। कांग्रेस ने सत्ता की हनक और सत्ता के इस्तेमाल का एक तरीका विकसित किया, आज भाजपा की सरकार उसी तरीके से काम कर रही है। कह सकते हैं कि कांग्रेस सत्ता का, एजेंसियों का, संस्थाओं का इतना दुरुपयोग नहीं करती थी। ठीक है, थोड़ा कम दुरुपयोग करती थी। लेकिन सदुपयोग तो बिल्कुल ही नहीं करती थी।

फिर उसे क्यों भाजपा के दुरुपयोग पर इतनी आपत्ति है? पहले भी सत्ता का दुरुपयोग होता था और आज भी हो रहा है। पहले भी जनता ऐसे ही भगवान भरोसे थी और आज भी है। असल में राहुल गांधी यह नहीं चाहते हैं कि सत्ता का दुरुपयोग रूके, बल्कि वे सत्ता बदल कर अपने हाथ में लेना चाहते हैं। उनको ध्यान रखना चाहिए कि सत्ता हासिल करने के लिए राजनीतिक लड़ाई लड़नी होगी। संस्थाओं की साख बिगाड़ने और हर प्रतिमा से सिंदूर खरोंचने से सत्ता नहीं मिलेगी। यह नहीं हो सकता है कि वे चुनाव आयोग की साख बिगाड़ देंगे तो उनको सत्ता मिल जाएगी। सत्ता के लिए उनको जनता के बीच जाकर लड़ना होगा, जिसमें वे अब तक बेहद कमजोर साबित हुए हैं।

यह निजी विचार है।

सूचना एवं ज्ञान व्यक्ति और देश के विकास के लिए आवश्यक स्तम्भ।

मनुष्य के जीवन में प्रेम तथा ज्ञान दोनों ही अत्यंत आवश्यक एवं उत्प्रेरक अंग है। प्रेम भावनात्मक तत्व है, जो मनुष्य को इंसान बनाता है, संवेदना और मानवता को जागृत करता है। ज्ञान की उत्कंठा या तार्किक क्षमता मनुष्य को निरंतर प्रगति की ओर ले जाती है। मनुष्य के जीवन में ज्ञान ही उसे मानवता के उत्कृष्ट शिखर पर ले जाता है, वह मनुष्य को पशुत्व से अलग रखता है। मनुष्य ज्ञान की अनुभूति के कारण ही मुस्कुराता हंसता है, जबकि जानवर इसके अभाव में मूक बना रहता है, हंसता,मुस्कुराता नहीं है, इसलिए मुस्कुराइए, हंसीये, प्रेम करिए और ज्ञान प्राप्ति की ओर उन्मुख होते रहिए, तब ही जीवन सार्थक हो सकता है। प्रेम के बिना ज्ञान और अध्ययन मनुष्य को मशीन बना देता है। प्रेम और ज्ञान की अलग-अलग मीमांसा की गई है। प्रेम, ज्ञान की अपेक्षा अत्यधिक महत्वपूर्ण होता है क्योंकि प्रकृति में अधिक घुल मिलकर आधारभूत तत्व तो बनाता है ही,बल्कि प्रेम प्रत्येक जीव में विद्यमान होता है। परस्पर एक दूसरे की भाषा नासमझ पाने वाले जीव भी एक दूसरे से प्रेम की भाषा द्वारा मधुर संवाद कर सकते हैं। प्रेम सभी प्रकार के माननीय बंधनों से परे है।

जबकि ज्ञान प्राप्ति को मानवता में परम स्थान दिया गया है। प्राचीन भारतीय दर्शन एवं संस्कृति ने ज्ञान की महत्ता को महिमामंडित किया है और ज्ञान की प्राप्ति को सभी प्रकार के बंधनों से मुक्ति के लिए एक आधारभूत कारण भी बताया है। किसी मशीन अथवा कंप्यूटर को किसी भी प्रेरणा की आवश्यकता नहीं होती वह मनुष्य द्वारा दिए गए निर्देशों का केवल पालन करता है। मनुष्य को प्रेरणा की आवश्यकता होती है ताकि वह ज्ञान प्राप्ति का साधन बन सके और यह प्रेरणा प्रेम द्वारा ही मिलती है,जिससे वह प्रेम करता है। उसके लिए निरंतर सहायता व लाभ देने का प्रयास ज्ञान द्वारा ही करता है। ज्ञान बिना प्रेम के निरंकुश भी हो सकता है और समाज को हानि भी पहुंचा सकता है, किंतु प्रेम से युक्त ज्ञान का उपयोग वैश्विक मानव कल्याण के लिए किया जाता रहा है। इतिहास में अनेक महापुरुषों ने अपने प्रेम, करुणा, ज्ञान से लोगों के जीवन क्रांतिकारी परिवर्तन किए हैं, और इतिहास की धारा को भी सकारात्मक रूप से आगे बढ़ाया है। भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के जननायक महात्मा गांधी जी का जीवन भी प्रेम रोग ज्ञान का अद्भुत संयोजन था,उनका अहिंसा और सत्याग्रह मानव मात्र वह विश्व के प्रत्येक जीव के प्रति प्रेम का उत्कृष्ट उदाहरण है, इसके द्वारा उन्होंने संपूर्ण मानवता को प्रेम पूर्वक जीने का महान संदेश दिया है। गांधीजी के सिद्धांतों में हिंसा का कोई स्थान नहीं था। वह अन्यायी व्यक्ति का प्रेम द्वारा हृदय परिवर्तन में विश्वास रखते थे, उनका कहना था कि 'पाप से घृणा करो पापी से नहीं' फल स्वरुप उन्होंने अपने प्रेम से भारतीय जनमानस के हृदय जीत लिया और अपने ज्ञान को तर्कशक्ति से अंग्रेजों को भारतीय जनमानस के सामने झुकने पर मजबूर कर दिया और हमने स्वतंत्रता प्राप्त की। महात्मा बुद्ध ने अपने जीवन में अंगुलिमाल डाकू का हृदय परिवर्तन कर उसे महात्मा बना दिया था,उन्होंने ज्ञान व प्रेम के द्वारा उसका हृदय परिवर्तन कर दिया था। इसी तरह जब ईसा मसीह को सूली पर चढ़ाया गया तब उन्होंने स्वयं को सूली पर चढ़ाने वालों के लिए ईश्वर से यही प्रार्थना कि' ईश्वर इन्हें माफकर देना इनको नहीं पता कि यह क्या करने जा रहे हैं'। इस तरह उन्होंने मानवता के सामने अपने प्रेम को ज्ञान का जो उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया हुआ अत्यंत दुर्लभ है आज संपूर्ण विश्व में प्रभु यीशु के अनुयायियों की संख्या सर्वाधिक है। भगवान श्रीराम ने प्रेम में वशीभूत होकर ही शबरी के जूठे बेर भी खा लिए थे, जबकि श्री राम सर्वाधिक ज्ञान में आदर्श मनुष्य थे।

यह निजी विचार है।

राज्यपाल शामिल हुए सहकार भारती बुनकर के राष्ट्रीय अधिवेशन में

सहकार से समृद्धि के मंत्र के साथ आगे बढ़े - राज्यपाल श्री डेका

लोकशक्ति

रायपुर, राज्यपाल श्री रमेन डेका रविवार को रायपुर में आयोजित दो दिवसीय सहकार राष्ट्रीय बुनकर अधिवेशन में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि सहकारिता के क्षेत्र में रिसर्च और डेवलपमेंट पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। उन्होंने बुनकारों से आव्हान किया कि वे समयानुसार उत्पादों में नवीन तकनीकों को अपनाएं। मांग के अनुसार उत्पादों के डिजाईन में बदलाव लाएं।

राज्यपाल ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र संघ ने वर्ष 2025 को अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष घोषित किया है। इसका उद्देश्य केवल सहकारिता को बढ़ावा देना नहीं है, बल्कि इसके माध्यम से एक समृद्ध, न्यायपूर्ण और आत्मनिर्भर विश्व की नींव रखना है। यही भावना हमें प्रेरित करती है कि हम 'सहकार से समृद्धि' के मंत्र के साथ आगे बढ़ें और इस अभियान को हर घर, हर व्यक्ति तक पहुँचाएँ।

उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ ने सहकारिता के क्षेत्र में कई नवाचार कर देश को एक नया दृष्टिकोण दिया है। पैक्स समितियों को बहुउद्देशीय बनाने का कार्य इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। राज्य में अब तक 2058 पैक्स समितियों को एम-पैक्स में परिवर्तित किया गया है और इनमें कॉमन सर्विस सेंटर जैसी सुविधाएँ भी उपलब्ध कराई गई हैं। साथ ही 532 नई बहुउद्देशीय पैक्स समितियों के गठन की प्रक्रिया जारी है। मत्स्य, दुग्ध और लघु वनोपज क्षेत्र में भी उल्लेखनीय प्रगति हुई है, जो सहकारिता के विस्तार की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

राज्यपाल ने कहा कि हाथकरघा और बुनकरी का कार्य हमारे देश की सांस्कृतिक पहचान और स्वदेशी गौरव का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि सहकारिता के साथ मार्केटिंग के लिए नवीन माध्यमों और तकनीकों को जोड़े, इससे आगे बढ़ने में मदद मिलेगी। उन्होंने कई उदाहरण देकर बताया कि समय पर नवीन तकनीकों को नहीं अपनाने और डिजाइन में बदलाव नहीं करने पर कई कंपनियों और वस्तुओं को मार्केट से बाहर होना पड़ा है। उन्होंने कहा कि बुनकरों को अपने उत्पाद की लोकप्रियता और ब्रिकी के लिए ई-कॉमर्स और डिजिटल प्लेट फॉर्म की तरफबढ़ना चाहिए।

इस अवसर पर सहकार भारती से जुड़े पदाधिकारी उपस्थित थे।

केसिंगा में रानी सती मां का भव्य मंगल पाठ

लोकशक्ति। केसिंगा स्थानीय अंम्बाजी मंदिर प्रांगण में रानी सती मां का भव्य मंगल पाठ का आयोजन किया गया था ।इस आयोजन में आसपास के क्षेत्र से करीबन 500 से अधिक महिलाएं इस मंगल पाठ में भाग लिएथे। इस आयोजन को देखते हुए भक्तों में काफी उत्साह देखा गया। इस आयोजन को सफल करने में रानी सती मां के कार्यकरता गण ने कोई कसर नहीं छोड़ी। आज की संयोजन में उड़ीसा के जाने-माने नेता एवं सभी के दुख सुख के साथी एवं पूर्व मंत्री श्री भूपेंद्र सिंह जी भी उपस्थित रहे ।उन्होंने अपने वक्तव्य में कहा कि केसिंगा जैसे छोटे गांव में इतना बड़ा आयोजन करना यह बड़े गौरव की बात है ।मैं आज यहां आकर के धन्य महसूस कर रहा हूं।श्री भूपेंद्र सिंह जी को रानी सती मंगल पाठ कार्य करता गण ने सम्मान भी किया। इस मंगल पाठ में भजन गायकर रायपुर से पधारे हुए थे। उन्होंने बहुत ही सुंदर भजन एवं मां का मंगल पाठ करके सबको मंत्र मुंध कर दिया। इस आयोजन को सफल बनाने के लिए आनंद कुमार अग्रवाल ,गिरधारी लाल तीबडे वाल ,महेंद्र जैन ,मोहनलाल अग्रवाल, आदि भक्तों ने मिलकर के शानदार आयोजन किया था।

जम्मू में भारी बारिश के बाद आईआईआईएम हॉस्टल में बचाव अभियान जारी है।

अजमेर में भारी बारिश के बाद अंडरपास पर पुलिस बैरिकेड्स लगाए गए।

रायपुर में श्रीमद् भागवत सप्ताह कथा ज्ञानयज्ञ का भव्य आयोजन 25 से

रायपुर. रायपुर में श्रीमद् भागवत सप्ताह कथा ज्ञानयज्ञ का भव्य आयोजन होने जा रहा है। यह आयोजन 25 अगस्त से 1 सितंबर 2025 तक रामस्वरूप निरंजनलाल भवन, वी.आई.पी. रोड, रायपुर में होगा। कथा का समय दोपहर 3 बजे से शाम 7 बजे तक निर्धारित है। समस्त अग्रवाल परिवार (रायपुर और कटनी) द्वारा आयोजित इस कथा में व्यास पीठ पर परमश्रद्धेय आचार्य बांके बिहारी गोस्वामी जी ÷बाँके बाबा÷ मथुरा वाले विराजमान होंगे। आचार्य बांके बिहारी गोस्वामी, जो पूज्य गोस्वामी गोविंद बाबा के ज्येष्ठ पुत्र हैं, अपनी रसमयी और ओजस्वी वाणी से भक्ति, ज्ञान और वैराग्य की त्रिवेणी प्रवाहित करेंगे। मथुरा नगरी में जन्मे आचार्य जी ने आगरा विश्वविद्यालय-वाराणसी से साहित्य में आचार्य की उपाधि और हिन्दी में एम.ए. प्रथम वर्ष तक की शिक्षा प्राप्त की है। अपने पिता और गुरु गोस्वामी गोविंद बाबा से गुरुदीक्षा प्राप्त कर उन्होंने वंश परंपरा को आगे बढ़ाया। उनके आराध्य श्री राधामदन मोहन जी और ईष्टदेव हनुमान जी की भक्ति में वे निरंतर लीन रहते हैं। आचार्य जी ने अब तक 125 श्रीमद् भागवत कथाएं पूरी की हैं और चार बार अष्टोत्तर शत् (108) सप्ताह यज्ञ का आयोजन रायपुर, जगन्नाथ पुरी, रांची और जमनीपाली में किया है। हाल ही में, फरवरी 2025 में जमशेदपुर, झारखंड में पांचवां अष्टोत्तर शत् सप्ताह यज्ञ भव्य रूप से संपन्न हुआ। इसके अतिरिक्त, उन्होंने लक्ष्य यज्ञ, विष्णु यज्ञ और शतचण्डी यज्ञ जैसे धार्मिक अनुष्ठानों को भी संपन्न किया है।

यह सप्ताहिक कथा 25 अगस्त को मंगल कलश और श्रीमद् भागवत जी की शोभायात्रा के साथ शुरू होगी, जो प्रातः 9 बजे राम मंदिर, वी.आई.पी. रोड से कथा स्थल तक जाएगी।

बैल जोडी सजावट प्रतियोगिता सम्पन्न कुरुभाटा प्रथम स्थान प्राप्त किया

संवाददाता

डोंगरगढ़ प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी पोला पर्व बैल जोडी सजावट प्रतियोगिता कचहरी मैदान उली बाई के शिव मंदीर परिसर में सम्पन हुआ सर्व प्रथम इष्ट देव कि पूजा हुई पश्चात् शिव मंदीर में पूजा कि गई नए बस स्टैंड पास साहडा देव में पुजा करने के बाद प्रतिभागियों को बेल जोड़ी सहित कतार क्रमबद्ध से खड़े बैल जोड़ियों की पूजा की गई ।

मोहन लाल तराने (गवते) द्वारा पूरा कार्य सम्पन हुआ। कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रूप में मनोज अग्रवाल अध्यक्ष मां बम्लेश्वरी मंदिर ट्रस्ट समिति डोंगरगढ़ थे प्रथम पुरुष्कार पुष्कर साहु कुर्रुभाट ने प्राप्त किया स्व. श्री प्रति धूलीबाई के स्मृती में रनिग शील्ड 1101. रुपए नगद धोती नारियलद्वितीय पुरुषकार साहील मंडले कुर्रुभाट ने प्राप्त किया स्व. श्री नत्थू लाल पटेल के स्मृति में 501रूमय व रनिग शील्ड धोती नारियलतृतीय पुरुष्कार अर्जुन राम कदम कुर्रुभाट ने प्राप्त किचा 301 रूपए नगद धोती नारियल

चौथा पुरुस्कार कुंजन जोशी बधिया टोला द्वारा प्राप्त किया नगद 201रूपए धोती, नारियल सांत्वना पुरुस्काराराजेन्द्र जंघेल गाजमर्रा बोधी राम साहू डीपरापारा ओमेश्वर साहू कुर्रुभाट प्रत्येक को एक गमछा 101 रू नगद एक नारियल दिया गयाछोटे बच्चों ने भी आकर्षक बैल मिट्टी के सजावट में शामिल हुये लगभग 200 बच्चों ने भी प्रजन में शामिल हुये। सभी बच्चों को श्रीमल व नगद रूपये दिये गये।

निर्णायक समिति श्री विश्वनाथ भारत, कमल रामकमल राम देवांगन, बबबुराम-शोडिलय, राहुल यादव, जितेन्द्र सिंह भारिया,शामिल रहे।समिति ने भी प्रोत्साहन राशि देकर बैल जोडीयो को सम्मानीत किया। कार्यक्रम में बालेश्वरी मंदीर के अध्यक्ष मनोज अग्रवाल चन्द्रप्रकाश मिश्रा, योगेश अग्रवाल, संजय श्रीवास्तव, विपुल अग्रवाल, अनिल घटनी, जितेंद्र भाटिया बब्बू समाज वे रामभाऊ पाहिल, हरीचंद लड्स, धनीराम तराने , रामजी तारने शंकर मोटघर जेहन गभर्ने, श्रवण गभने, राजेश आखरे, महिला समाज उपस्थिति थी पंडित युवराज शर्मा, श्याम वैष्णव भयोर मंच संचालन कन्हैय्या- अग्रवाल ने किया। महीन खान, संजय गुप्ता आदि लो उपस्थित थे।

लोकसभा अध्यक्ष 68वें राष्ट्रमंडल संसदीय सम्मेलन में भारतीय संसदीय शिष्टमंडल का नेतृत्व करेंगे

श्री बिरला 68वें राष्ट्रमंडल संसदीय सम्मेलन की आम सभा को 'राष्ट्रमंडलः ग्लोबल पार्टनर ' विषय पर संबोधित करेंगे

पीआईबी।

लोक सभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला 5 से 12 अक्तूबर 2025 तक ब्रिजटाउन, बारबाडोस में आयोजित होने वाले 68वें राष्ट्रमंडल संसदीय सम्मेलन (सीपीसी) में भारतीय संसदीय शिष्टमंडल का नेतृत्व करेंगे। इसी संबंध में आज माननीय लोक सभा अध्यक्ष की अध्यक्षता में विभिन्न मंत्रालयों की ब्रीफिंग बैठक आयोजित की गई, जिसमें भारत के विधायी निकायों के पीठासीन अधिकारियों को सम्मेलन के विभिन्न कार्यक्रमों के बारे में जानकारी दी गई।

लोक सभा अध्यक्ष और राज्य सभा के उपसभापति, श्री हरिवंश के अलावा, भारत के राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के विधानमंडलों के पीठासीन अधिकारी और सचिव राष्ट्रमंडल संसदीय संघ (सीपीए) भारत क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करेंगे।

श्री बिरला 68वीं राष्ट्रमंडल संसदीय संघ की आम सभा को 'राष्ट्रमंडलः ग्लोबल पार्टनर' विषय पर संबोधित करेंगे।

इसके अलावा, भारतीय संसदीय शिष्टमंडल के सदस्य निम्नलिखित सात कार्यशालाओं में भाग लेंगेः

कार्यशाला क (मेजबान शाखा द्वारा रखा गया विषय)ः लोकतंत्र के समर्थन के लिए अपनी संस्थाओं को सुदृढ़ करना।

कार्यशाला खः प्रौद्योगिकी का उपयोग : डिजिटल परिवर्तन के माध्यम से लोकतंत्र का संवर्धन करना और डिजिटल विभाजन का सामना करना ।

कार्यशाला गः सीएचओजीएम 2026 पर एक नज़रः महिलाओं और सुलभता की दृष्टि से मानवीय पहलू का समर्थन करना

कार्यशाला घः जलवायु परिवर्तन और वैश्विक स्वास्थ्य पर इसका खतरा - स्थायी समाधान खोजना

कार्यशाला ङ : लोकतंत्र में विश्वास बढ़ाना और पारदर्शिता लाना : संसदों और चुनावों में वित्तीय पारदर्शिता

कार्यशाला च : राष्ट्रीय संसद बनाम प्रांतीय, प्रादेशिक और हस्तांतरित विधानमण्डल : शक्तियों के पृथक्करण की रक्षा और संरक्षण।

कार्यशाला छः सुशासन, बहुपक्षवाद और अंतर्राष्ट्रीय संबंधों में राष्ट्रमंडल की भूमिका

आम सभा और कार्यशालाओं के अलावा, एक युवा गोलमेज सम्मेलन भी होगा जिसका विषय है ÷ सुरक्षित और स्वतंत्र रहकर उन्नति करना : गैंग वॉयलेन्स से लेकर साइबर-बुलिंग तक की आधुनिक चुनौतियों पर विजय पाने के लिए युवाओं को सशक्त बनाना ।

रायपुर : श्री गोपाल मंदिर ट्रस्ट के चुनाव संपन्न

संवाददाता। लोकशक्ति। श्री गोपाल मंदिर ट्रस्ट सदर बाज़ार का चुनाव रविवार को गोपाल मंदिर मे संपन्न हुआ। माहेश्वरी सभा द्वारा मनोज राठी सीए को चुनाव अधिकारी नियुक्त किया गया था। चार ट्रस्टियों के निर्वाचन के लिए विधिवत नाम आमंत्रित किए गए थे।निर्वाचन प्रक्रिया के लिए रविवार को चुनावी सभा का आयोजन हुआ।चार ही उम्मीदवारों के नाम आने से बिना मतदान के चार ट्रस्टियों के निर्वाचन की घोषणा चुनाव अधिकारी द्वारा की गई। देवरतन बागड़ी, ओमप्रकाश नागौरी, सुरेश बागड़ी एवं हरीश बजाज श्री गोपाल मंदिर ट्रस्ट के आगामी सत्र के लिये माहेश्वरी सभा की तरफ़ से निर्वाचित हुए। प्रदेश माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष सुरेश मुँधडा,माहेश्वरी सभा रायपुर के अध्यक्ष राजेश तापड़िया,उपाध्यक्ष शंकर मोहता,महामंत्री आलोक बागड़ी,श्री गोपाल मंदिर ट्रस्ट से राजकिशोर नत्थानी, रमेश नत्थानी एवं माहेश्वरी सभा रायपुर की कार्यकारिणी उपस्थित थी।

लोकशक्ति
www.lokshakti.in

वैष्णव एवं ब्राह्मण समाज समाज के प्रथम पंक्ति में बैठने वाले समाज हैं - राजेश्री महन्त जी

श्री वैष्णव महासभा युवक युवती परिचय सम्मेलन, जनप्रतिनिधि सम्मान, तीज मिलन समारोह में सम्मिलित हुए संत महात्मा गण

संवाददाता।

श्री दूधाधारी मठ सत्संग भवन रायपुर में आयोजित छत्तीसगढ़ श्री वैष्णव महासभा युवक युवती परिचय सम्मेलन, जनप्रतिनिधि सम्मान, तीज मिलन समारोह का आयोजन किया गया। इसमें जहां एक ओर राजेश्री महन्त रामसुन्दर दास जी महाराज एवं संत महात्माओं की अच्छी खासी उपस्थिति रही वहीं दूसरी ओर समाज के निर्वाचित जनप्रतिनिधि भी बड़ी संख्या में सम्मिलित हुए। प्राप्त जानकारी के अनुसार कार्यक्रम स्थल में उपस्थित होने पर संत महात्माओं एवं अतिथियों का स्वागत स्वस्तिवाचन के साथ किया गया।

मातृ शक्ति ने तिलक लगाकर आरती करके आशीर्वाद प्राप्त किया। भगवान लक्ष्मी नारायण जी के तैल चित्र पर दीप प्रज्वलित करके मंचीय कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। अतिथियों का स्वागत शाल, श्रीफल, पुष्प माला से किया गया। बड़ी संख्या में उपस्थित वैष्णव समाज के लोगों को अपना आशीर्वचन प्रदान करते हुए महामंडलेश्वर राजेश्री महन्त जी महाराज ने कहा कि- वैष्णव और ब्राह्मण परिवार समाज के प्रथम पंक्ति में बैठने वाले समाज हैं इनके बातों पर संपूर्ण समाज का विश्वास है इसलिए संपूर्ण समाज के प्रति उनकी बहुत बड़ी जिम्मेदारी भी है। उन्होंने कहा कि समाज में सुमति बनाकर चलना चाहिए इससे समाज का उत्तरोत्तर विकास होता है *जहां सुमति तहं संपत्ति नाना। जहां कुमति तहं विपति निदाना।।

श्री स्वामी राजीव नयन दास जी महाराज ने इस अवसर पर अपने ओजस्वी उद्बोधन में कहा कि -यहां युवक युवती परिचय सम्मेलन, जनप्रतिनिधि सम्मान तथा तीज मिलन महोत्सव का आयोजन किया गया है। उत्सव मनाए इसलिए जाते हैं कि उसमें समाज का हर वर्ग का व्यक्ति संकोच त्याग कर एक दूसरे के मन की बात साझा कर सकें । जगतगुरु श्री स्वामी रामानंदाचार्य जी के कथन का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि *जाति पाति पूछे नहीं कोई। हरि को भजे सो हरि का होई।। लोगों को श्री महन्त राधेश्याम दास जी महाराज सहित अनेक संत महात्माओं का आशीर्वचन प्राप्त हुआ। लोगों को श्री वैष्णव महासभा की प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती अन्नपूर्णा दास, महासचिव राकेश दास जी, सुरेंद्र बैरागी सहित अनेक लोगों ने संबोधित किया। इस अवसर पर समाज के निर्वाचित जनप्रतिनिधियों, प्रतिभावान छात्र-छात्राओं तथा राष्ट्रीय एवं राज्य स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले वैष्णव समाज के खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया। सभी अतिथियों को स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर विशेष रूप से श्री महंत राधा मोहन दास जी, श्री महंत गणेश्वर दास जी,श्री महंत सुरेंद्र दास जी, रामबालक दासजी(तुरतुरिया), हास्य कवि रामेश्वर दास जी, प्रतुल वैष्णव, ईशान वैष्णव, पन्ना दास जी, नंदकिशोर वैष्णव, सौरभ निर्माणी, देव कुमार निर्वाणी, हरिदास वैष्णव, वैभव वैष्णव, राजेंद्र वैष्णव, महेंद्र वैष्णव,सेवादास वैष्णव, निर्मल दास वैष्णव सहित अनेक गणमान्य नागरिक गण सम्मिलित हुए। वैष्णव समाज की माताएं भी बड़ी संख्या में उपस्थित थीं। कार्यक्रम का विधिवत संचालन संतोष वैष्णव ने किया।

बीमा के रूपयें से पिता का कर्ज चुकाने के लिए यूवक रच रहा था मृत होने की झुठी

सायबर टीम की सक्रियता ने गुम इंसान की झुठी कहानी का किया पर्दाफाश

जांजगीर चांपा / पिता की कर्ज चुकाने के लिए गुम इंसान की झुठी कहानी गढ़ने के आरोपी को पकड़ लिया गया है । मामले में घटना का विवरण इस प्रकार है कि दिनांक 19 अगस्त 2025 को सूचक गुम इसान के पिता तिलक राम श्रीवास निवासी तनौद थाना शिवरीनारायण द्वारा थाना पामगढ़ पुलिस को सूचना दिया कि इसके छोटे पुत्र कौशल श्रीवास उर्फ मोनू उम्र 21 साल जो बिना बितायें घर से शाम करीबन 7 बजे लगभग अपने मोटर सायकल सीजी 11-बीसी-7560 से गांव घुम कर आता हुं कहकर अपने मां के मोबाईल को भी लेकर निकला था। रात्रि करिबन 9 बजे के आस-पास गुम इंसान के परिजन भाई जागेश्वर श्रीवास को सूचना प्राप्त होता है कि तुम्हारे घर का मोटर सायकल एवं मोबाईल फोन शिवनाथ नदी के पूल पैसर घाट में मिला है तब गुम इंसान के परिजन मौका स्थल पहुचकर गुम इंसान के साथ अप्रिय घटना होने के अंदेशा पत्र तत्काल थाना पामगढ को सूचित कर गुम इंसान दर्ज कराया था। पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पाण्डेय आईपीएस के निर्देशन में गुम इंसान की पतासाजी हेतु थाना पामगढ़ पुलिस द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए रात्रि में ही मौका स्थल जाकर निरीक्षण कर गुम इंसान द्वारा प्रयुक्त मोटर सायकल, गुम इंसान का जुता, गुम की माँ का मोबाईल को बरामद कर गुम इंसान की पतासाजी की जा रही थी। युवक की अचानक गुम होने की घटना को देखते हुए एवं मामला गंभीर होने से अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेष कुमार कश्यप के कुशल मार्ग दर्शन में सायबर टीम द्वारा गुम इंसान का हर हाल में पतासाजी हेतु त्वरित घटना स्थल जाकर सायबर तकनीकी जानकारी इकट्ठा कर जांच करने पर ज्ञात हुआ कि गुम इंसान द्वारा अपने दोस्त को सोशल मीडिया इंस्टाग्राम के माध्यम से गुम इंसान द्वारा दिनांक 20अगस्त 2025 को अपने आप को सुरक्षित होने की सूचना दिया था। सायबर सेल द्वारा सभी तकनीकी संसाधन का उपयोग कर गुम इंसान की पतासाजी कर रही थी तभी दिनांक 23 अगस्त 2025 को शाम करीबन 5 बजे

एक अज्ञात फोन नंबर से गुम इंसान के भाई के फोन पर कॉल आता है जो अपने आप को कौशल श्रीवास होना बताया जिस पर उपरोक्त फोन नंबर का तस्दीक करने पर ज्ञात हुआ कि उक्त फोन को गुम इंसान द्वारा एक राहगीर से बिलासपुर रेलवे स्टेशन में बात करने के लिए मांग कर उपयोग किया था । सायबर सेल एवं पामगढ पुलिस द्वारा तत्काल आरपीएफ बिलासपुर एवं उसलापुर को गुम इंसान का फोटो भेजकर स्टेशन क्षेत्र में पतासाजी करने सूचना दिया गया। इसी क्रम जांजगीर की सायबर टीम को मुखबीर सूचना मिला कि गुम इंसान के हुलिया का एक व्यक्ति तोरवा बिलासपुर क्षेत्र में घुम रहा है, जिस पर सायबर टीम तत्काल गुम इंसान के परिजन को साथ लेकर तोरवा क्षेत्र पहुंचकर गुम इंसान को सकुशल तोरवा बिलासपुर से बरामद किया गया। गुम इंसान कौशल श्रीवास द्वारा पुलिस व अपने परिवार, गांव वालो को गुमराह करना पाए जाने से उसके विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

गुम इंसान कौशल श्रीवास से पूछताछ करने पर पता चला कि गुम इंसान के पिता का लाखो रूपये का कर्जा है तथा उसके चुकाने में असक्षम होने से गुम इंसान परेशान रहता था। गुम इंसान का 40 लाख रूपयें का बीमा था। घर की परेशानी से छुटकारा पाने के लिए गुम इंसान कौशल श्रीवास द्वारा योजना बनाकर अपने आप को मृत घोषित कर अपने बीमा राशि प्राप्त करने के लिए उपरोक्त घटना कारित करना स्वीकार किया। दिनांक घटना के बाद गुम इंसान घटना स्थल से पैदल पामगढ़ गया वहां से बस से बिलासपुर दिनांक 20 अगस्त 2025 को पहुंचा एवं बिलासपुर रेलवे स्टेशन से छ.ग. एक्सप्रेस से दिल्ली फरिदाबाद दिनांक 21 अगस्त 2025 को पहुंचा रात्रि स्टेशन में रहा तथा दिनांक 22 अगस्त 2025 को वापस स्टेशन से बिलासपुर के लिए निकला तथा दिनांक 23 अगस्त 2025 को बिलासपुर पहुंचा यात्रा के दौरान अपने मोबाईल को स्टेशन से फेकना बताया। गुम इंसान की पतासाजी करने में सायबर सेल जांजगीर एवं थाना पामगढ़ पुलिस की सराहनीय भूमिका रही।

रफ्तार की कहर से सड़क हुई खून से लाल स्कूटी और बाइक की टक्कर से एक की मौत 3 घायल

जांजगीर चांपा / रफ्तार की कहर ने एक बार फिर सड़क को खून से लाल कर दिया है जिसमे स्कुटी से और बाइक की टक्कर से एक युवक की मौत हो गया है जबकि तीन घायल हो गए हैं । यह घटना जिले के पामगढ़ थाना क्षेत्र के कोसला -भदरा मार्ग की कोसाबाड़ी मार्ग में घटित हुआ है जिसमें स्कूटी और बाइक में आमने -सामने जोरदार टक्कर हुई है। घटना में 25 वर्षीय युवक अजित कश्यप की मौत हुई है , वही 3 लोगो को भी गंभीर चोट आई है। यह घटना शनिवार की शाम 4 से 5 बजे के बीच घटित हुई है।

मिली जानकारी अनुसार मृतक अजित कश्यप अपने बाइक में गांव के उमेंद्र पटेल और बेटा शंकर पटेल के साथ पामगढ़ किसी काम से गए थे,जहां काम होने के बाद पामगढ़ से अपने गांव कोसला वापस लौट रहे। वही स्कूटी में सवार पनगांव का 28 वर्षीय युवक युवराज साहू सब्जी बेचने के लिए भदरा गांव साप्ताहिक बाजार जा रहा था। इस दौरान कोसाबाड़ी के पास दोनों रफ्तार स्कूटी और बाइक में आमने -सामने जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों गाड़ियों के परखच्चे उड़े,वही बाइक चला रहा अजित कश्यप के सिर पर गंभीर चोट आने से सड़क पर ही अधिक खून निकल गया, उमेंद्र पटेल और बेटे शंकर पटेल जोकि बाइक में बैठे थे उन्हें भी गंभीर चोट आई है, स्कूटी सवार युवक युवराज साहू को भी गंभीर रूप से चोट आई। सभी घायलों को उपचार के लिए सीएचसी अस्पताल पामगढ़ लेजाया गया,जिसमें अजीत कश्यप की हालत गंभीर होने पर बिलासपुर सिम्स अस्पताल भेजा गया, जहां डॉक्टरों ने जांच उपरांत मृत घोषित कर दिया वही अन्य घायलों का ईलाज जारी है।

माता कौशल्या जी की आरती में सम्मिलित हुए राजेश्री महन्त जी

विश्व का एकमात्र कौशल्या मंदिर स्थित है चंदखुरी में

संवाददाता। छत्तीसगढ़ राज्य गौ सेवा आयोग के पूर्व अध्यक्ष राजेश्री महन्त रामसुन्दर दास जी महाराज रायपुर के समीप स्थित ग्राम चंदखुरी में आयोजित माता कौशल्या जी की आरती में सम्मिलित हुए। उन्होंने विश्व कल्याण की कामना करते हुए अपने संदेश में कहा कि- छत्तीसगढ़ राज्य में तीजा- पोरा त्यौहार के अवसर पर अपने बहन- बेटियों को मायके लेवा कर लाने की परंपरा है। इसका निर्वाह राकेश तिवारी जी एवं उसके साथी गण मिलकर विगत तीन वर्षों से इस कार्यक्रम के आयोजन के माध्यम से कर रहे हैं। यह छत्तीसगढ़ राज्य का सौभाग्य है कि माता कौशल्या का एकमात्र मंदिर चंदखुरी में स्थित है। इसका प्रचार प्रसार राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर होनी चाहिए। पूर्ववर्ती सरकार ने इसके लिए बहुत अच्छा कार्य किया वर्तमान सरकार को भी इस ओर ध्यान देने की आवश्यकता है। उल्लेखनीय है कि माता कौशल्या जो भगवान रामचंद्र जी की माता एवं

महाराज दशरथ जी की पटरानी थी उनका मायका छत्तीसगढ़ को माना जाता है। यह कार्यक्रम सुप्रसिद्ध पंडवानी गायिका प्रभा यादव के निवास पर आयोजित की गई है। लोगों ने मिलकर *जय कौशल्या महतारी तोर आरती उतारव* गाकर माता कौशल्या की स्तुति गान की। उत्सव पांच दिनों तक आयोजित होगा। कार्यक्रम स्थल पर पहुंचने पर मुख्य अतिथि राजेश्री महन्त जी महाराज का लोगों ने भजन कीर्तन के साथ स्वागत किया।

ज्ञानोदय में मनाया गया राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस

जांजगीर चांपा / ज्ञानोदय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय जांजगीर में 23 अगस्त को राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस मनाया गया। राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस कार्यक्रम चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर भारतीय चंद्रयान 3 के सफलता पूर्वक सॉफ्ट लैंडिंग की याद में मनाया जाता है। 23 अगस्त 2023 को हम सभी भारतीयों के लिए यह बहुत ही गौरवान्वित समय था कि हम अपने पहले प्रयास में ही चंद्रमा के दक्षिणी भाग में पहुंच गए । राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस की याद में ज्ञानोदय विद्यालय जांजगीर में यह कार्यक्रम आयोजित किया गया । कक्षा छठवीं से बारहवी के सभी छात्र- छात्राओं ने कार्यक्रम में हिस्सा लिया। कार्यक्रम की शुरुआत ज्ञानदायनी मां सरस्वती की छाया चित्र पर स्कूल के प्राचार्य डॉ. सुरेश यादव ,कार्यक्रम के निर्णायक श्रीमती दामिनी कश्यप , मीना यादव ,प्रिया कोसरे ,पुष्पेंद्र राजनाथ ,राकेश पठारे ,किरण गोयल ,हेमंत ढीमर की उपस्थिति में पूजा अर्चना एवं माला अर्पण कर किया गया। निर्णायक गण का स्वागत रेस्मा कश्यप,साधना कश्यप एवम मानस राज के द्वारा पुष्प गुच्छ से किया गया । स्कूल के सभी छात्र -

छात्राओं के द्वारा मॉडल,पोस्टर के माध्यम से भारत के इसरो द्वारा अंतरीक्ष में परचम लहराकर आत्मनिर्भर भारत बनाने की एक अनूठी मिसाल प्रस्तुत की गई। आज इसरो की पहुंच पूरे अंतरिक्ष मे है । इस अवसर पर सभी स्कूली छात्रों द्वारा मिसाईल मेन डॉ ए पी जे अब्दुल कलाम को याद करते हुए अंतरिक्ष और मिसाइल की अद्भुत पोस्टर ,पैन्टिन्ग किया गया। निर्णायकों ने छात्र - छात्राओं की प्रतिभा को सराहते हुए प्रथम ,द्वितीय ,तृतीय स्थान प्रदान किया। सभी बच्चों ने इसरो पर आधारित सुंदर पोस्टर, पेंटिंग बनाए। ज्ञानोदय विद्यालय जांजगीर के प्राचार्य डॉ सुरेश यादव ने सभी बच्चो के कौशल को प्रोत्साहित किया और कहा कि सभी बच्चों में भिन्न- भिन्न प्रतिभाएं होती है। शिक्षकों को उनकी प्रतिभा को पहचानना होगा ताकि उनका भविष्य उज्ज्वल हो सके ।

इनके सपनो की उड़ान धरती से अंतरिक्ष तक पहुंच सके। मैं इनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हूं। नेशनल स्पेस डे कार्यक्रम को सफल बनाने में कार्यक्रम प्रभारी पुष्पेंद्र राजनाथ सहित विद्यालय के सभी शिक्षक - शिक्षिकाओं का योगदान सराहनीय रहा।

कलेक्टर जन्मेजय महोबे ने जिला ग्रंथालय, शासकीय बहुदिव्यांग विद्यालय और वृद्धाश्रम का किया निरीक्षण

लाइब्रेरी में छात्रों से की चर्चा, प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए नई किताबें उपलब्ध कराने के निर्देश

जांजगीर-चांपा /कलेक्टर जन्मेजय महोबे ने शनिवार को जिला ग्रंथालय, शासकीय बहुदिव्यांग विद्यालय सह छात्रावास एवं वृद्धा आश्रम खोखरा का निरीक्षण किया। उन्होंने जिला ग्रंथालय पेंड्री का दौरा कर वहाँ विद्यार्थियों से चर्चा करते हुए उपलब्ध पुस्तकों, पढ़ाई व्यवस्था तथा समय पर खुलने और बंद होने की जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने ग्रंथालय की साफ-सफाई पर विशेष ध्यान देने की निर्देश दिए उन्होंने कहा कि प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों को परीक्षा से संबंधित सभी पुस्तकों की व्यवस्था लाइब्रेरी में की जाए और समय-समय पर आवश्यक प्रतियोगिता परीक्षाओं से संबंधित पुस्तकों को भी मंगाए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि लाइब्रेरी में सभी व्यवस्था व्यवस्थित रहे और बच्चों को किसी भी प्रकार की कोई समस्या न हो। उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था, कैमरा लगाए जाने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने पुस्तकालय में सभी आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश अधिकारियों को दिए जिससे विद्यार्थियों एवं आम नागरिकों को अध्ययन के लिए उपयुक्त वातावरण मिले।

कलेक्टर ने शासकीय बहुदिव्यांग विद्यालय सह छात्रावास का निरीक्षण किया। यहाँ उन्होंने विद्यार्थियों से बातचीत कर उनकी पढ़ाई, भोजन व्यवस्था एवं आवश्यक सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि बच्चों के लिए अन्य गतिविधियां जैसे कि संगीत, डांस, पेंटिंग आदि के माध्यम से बच्चों को आगे बढ़ाने एवं उनका सर्वांगीण विकास करने के निर्देश दिए।

इस दौरान उन्होंने खेलकूद की सामग्री, बच्चों को दिए जा रहे भोजन व्यवस्था की जानकारी ली। उन्होंने दिव्यांग स्कूल के पीछे खाली पड़ी जगह को उपयोगी बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने दिव्यांग बच्चों के लिए बनाए गए स्मार्ट क्लास की जानकारी ली और समय-समय पर विभिन्न प्रोग्राम चलाए जाने के निर्देश दिए।

वृद्धाआश्रम खोखरा की सुधारें व्यवस्थाएं - कलेक्टर

निरीक्षण के दौरान उन्होंने खोखरा स्थित वृद्धा आश्रम का भी भ्रमण किया और वहाँ रह रहे वरिष्ठ नागरिकों एवं दिव्यांग बच्चों की सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने आश्रम में साफ-सफाई, भोजन आदि व्यवस्थाओं को दुरस्त करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने प्रबंधन को निर्देशित किया कि बुजुर्गों के आने-जाने के लिए रैम्प को व्यवस्थित करने कहा। उन्होंने आश्रम प्रबंधन को निर्देश दिए कि बुजुर्गों एवं दिव्यांग बच्चों की देखभाल एवं आवश्यक सेवाओं में किसी भी प्रकार की कमी न हो। उन्होंने प्रबंधन को रैम्प के साथ सीढ़ी बनाने, शौचालय, रूम की नियमित साफ-सफाई करने के निर्देश दिए।

जन्म जन्मांतरों के पुण्य से मिलता कथा श्रवण का अवसर : आचार्य हित ललित वल्लभ महाराज

संवाददाता

अग्रसेन भवन के सामने पितृ मोक्षार्थ भागवत कथा का हुआ शुभारंभ जांजगीर चांपा /अग्रसेन भवन के सामने आज पितृ मोक्षार्थ गया जी श्रीमद् भागवत कथा का शुभारंभ वेदी स्थापना , कलश यात्रा के साथ हुआ। श्रीमद् भागवत कथा के प्रथम दिवस श्री धाम वृंदावन के प्रख्यात भागवत प्रवक्ता श्री हित ललित वल्लभ जी महाराज ने श्रोताओं को संबोधित करते हुए कहा कि बड़ा ही हर्ष का विषय है कि आज आपके नगर में श्रीमद् भागवत कथा प्रारंभ हुई है । जब हमारे जन्म जन्मांतरों के पुण्य का उदय होता है तब तब हमें कथा श्रवण करने का अवसर प्राप्त होता है। भागवत कथा कल्पवृक्ष है, श्रीमद् भागवत महापुराण पुराणों में तिलक है, यह कलयुग के दोषों को इस प्रकार दूर करता है जैसे सिंह की गर्जना सुनकर भेड़िया भाग जाते हैं । इसी प्रकार भागवत कथा कलयुग के दोषों को दूर करती है, वहीं

श्रीमद् भागवत परमहंसों की संहिता और वैष्णव जनों का धन है । श्रीमद् भागवत मोक्ष प्रदान करने वाली है जिसके श्रवण से धुंधकारी जैसे महा पापी का भी उद्धार हुआ। भागवत कथा से पितरों का मोक्ष निश्चित है । आगे उन्होने कहा कि भागवत भगवान कृष्ण की शब्दमयी प्रतिमा है , जिससे जीव को सदा ही भगवान के चरित्रों का श्रवण करना चाहिए। महाराज जी ने बताया कि भक्ति के पुत्र ज्ञान और वैराग्य जब वृद्धावस्था को प्राप्त हो गए तब श्रीमद् भागवत कथा श्रवण करने से युवावस्था को प्राप्त हुए । कथा से पूर्व भव्य शोभायात्रा अग्रवाल महिला सत्संग भवन से प्रारंभ होकर विभिन्न मार्गो से होती हुई कथा स्थल अग्रसेन भवन के सामने पहुंची । कथा के आयोजक झाझरिया परिवार ने सभी श्रद्धालुओ से कथा श्रवण की अपील की है । कथा का समय 3 बजे से 6 बजे तक रहेगा ।

खास खबर

अग्निवीर थल सेना भर्ती रैली के लिए नि:शुल्क शारीरिक दक्षता प्रशिक्षण के लिए पंजीयन प्रारंभ

कोरबा अग्निवीर भर्ती थलसेना में 2025-26 में ऑनलाईन परीक्षा में उत्तीर्ण हुए जिले के अभ्यर्थी जो नि:षुल्क शारीरिक दक्षता प्रषिक्षण के इच्छुक हैं। वे अपना उत्तीर्ण संबंधी दस्तावेजों के साथ जिला रोजगार कार्यालय कोरबा में उपस्थित होकर 29 अगस्त 2025 तक पंजीयन करवा सकते हैं। जिला रोजगार अधिकारी ने बताया कि छत्तीसगढ़ में अग्निवीर थल सेना भर्ती में युवाओं का अधिक से अधिक भागीदारी सुनिष्चित करने के उद्देष्य से छत्तीसगढ़ राज्य के सभी जिलों के लिए अग्निवीर सेना भर्ती का आयोजन रायपुर में संभावित है। कोरबा जिले के युवाओं को अग्निवीर भर्ती में लाभ प्राप्त हो सके इस हेतु नि:षुल्क शारीरिक दक्षता प्रषिक्षण प्रदान किया जाना है।

मालगाड़ी के नीचे आने से अज्ञात युवक की हुई मृत्यु-3 टुकड़ों में मिली लाश

कोरबा। जिले में मानिकपुर चैकी क्षेत्र अंतर्गत एक अज्ञात युवक चलती मालगाड़ी के नीचे आ गया। पीआरएफ को तीन टुकड़ों में उसका शव मिला है। साथ ही जेब से 120 रुपए का बस टिकट मिला है। मृतक की पहचान नहीं हो पाई है। जानकारी के अनुसार मानिकपुर के भिलाई खुर्द अंडरब्रिज के पास युवक की लाश मिली है। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए जिला मेडिकल कॉलेज भेज दिया गया है। साथ ही युवक की पहचान के लिए पुलिस जुटी हुई है। मालगाड़ी के लोको पायलट ने बताया कि युवक ट्रैक किनारे चल रहा था। हॉर्न बजाकर गाड़ी की रफ्तार कम की। कुछ देर बाद गार्ड ने कॉल कर बताया कि युवक मालगाड़ी के पहिए के नीचे आ गया हैं।

ग्रामीण के घर साल के 22 चिरान लकड़ी बरामद

कोरबा संवाददाता। जिले के वन मंडल कटघोरा के केंदई रेंज में एक ग्रामीण के घर से साल की चिरान लकड़ी जब्त की गई है। इस मामले में वन अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई है। जानकारी के अनुसार ग्राम सलईगोट निवासी के घर में चिरान लकड़ी होने की सूचना मिली थी। इस पर एसडीओ संजय त्रिपाठी ने सर्च वारंट जारी किया। परिक्षेत्र सहायक सुनील कुमार डिक्सेना की टीम ने उस घर जांच की। जांच में साल की 22 चिरान लकड़ी बरामद की गई। यह लकड़ी जंगल से अवैध रूप से काटकर लाई गई थी। लकड़ी के साथ ही औजार भी जब्त किए गए हैं। इस क्षेत्र में पहले भी अवैध पेड़ कटाई के मामलों में कार्यवाही की जा चुकी है।

आदर्श टमकोरिया का आकस्मिक निधन, नगर में शोक की लहर

कोरबा । आदर्श टमकोरिया पिता किशन लाल टमकोरिया उम्र 30 वर्ष का आज शाम आकस्मिक निधन हो गया। स्वर्गीय टमकोरिया के निधन की खबर आम होते ही नगर में शोक की लहर दौड़ गई। उनकी अंतिम यात्रा 22 अगस्त 25 को दोपहर 3 बजे निवास स्थान मेन रोड सीतामणी से निकल कर मोतीसागर पारा मुक्तिधाम जाएगी।

करमंदी में 29 लोगों के वन अधिकार पट्टा पाए गए फर्जी दिवंगत भू -माफिया ने की थी कूटरचना, जांच में हुई पुष्टि

कलेक्टर जनदर्शन में पहुंचकर ग्रामीणों ने की थी-शिकायत

कोरबा संवाददाता

ग्राम करमंदी में एक दो नहीं पूरे 29 वन अधिकार पट्टा फर्जी मिले हैं। कलेक्टर जनदर्शन में हुई शिकायत के बाद कार्यालय सहायक आयुक्त की जांच में इस फर्जीवाड़े की पुष्टि है। सभी पीड़ितों को बांटे गए पट्टे कार्यालय सहायक आयुक्त एवं राजस्व विभाग द्वारा जारी नहीं किए गए हैं लिहाजा वे स्वमेव निरस्त माने जाएंगे। फर्जी पट्टा वितरण के इस गंभीर मामले के उजागर होने के बाद हड़कम्प मचा है। यहाँ बताना होगा कि जुलाई माह में आयोजित कलेक्टर जनदर्शन में ग्राम पंचायत करमंदी के ग्रामीणों ने पहुंचकर ग्राम में बड़े पैमाने पर फर्जी वन अधिकार पट्टा जारी होने की शिकायत की थी। दरअसल छत्तीसगढ़ में वन अधिकार पत्र (पट्टा) जारी करने से पहले ग्राम सभा अपनी वन अधिकार समिति के माध्यम से दावों का सत्यापन करती है। तत्पश्चात उप विभागीय और जिला स्तरीय समितियों द्वारा इन दावों को सत्यापित किया जाता है और अंततः जिला स्तरीय समिति द्वारा वन अधिकार पत्र जारी किया जाता है। यह प्रक्रिया अनुसूचित जनजाति और अन्य परंपरागत वन निवासी (वन अधिकारों की मान्यता) अधिनियम 2006 के तहत होती है। इस तरह प्रारंभिक प्रक्रिया ग्राम स्तरीय वन अधिकार समिति के यहाँ से शुरू होती है। लेकिन ग्राम करमंदी में ग्राम सभा के प्रस्ताव,दावों के सत्यापन के बगैर फर्जी (कूटरचित) तरीके से बड़ी संख्या में वन अधिकार पट्टा जारी कर दिया गया था। जिसकी भनक लगने के बाद ग्रामवासियों ने कलेक्टर के समक्ष इसकी जांच कर दोषियों पर कार्रवाई की मांग की थी। कलेक्टर ने 29 जुलाई को कलेक्टर अजीत वसंत ने सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विभाग और एसडीएम को ग्राम करमंदी में वन अधिकार पट्टा वितरण की आई शिकायत के बाद हुई जांच के आधार पर फर्जी पट्टा पर कार्यवाही के निर्देश दिए थे।

29 वन अधिकार पट्टा पाए गए कूटरचित कार्यालय सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विभाग द्वारा प्रकरण की संजीदगी से जांच कराई गई। बयान समेत टीम ने 80 पृष्ठों के जांच प्रतिवेदन एसडीएम कार्यालय को भेजा है। जांच में 29 लोगों के नाम से जारी वन अधिकार पट्टा कूटरचित (फर्जी) पाए गए हैं। काफी हद तक ये फर्जी पट्टे हूबहू ओरिजनल पट्टों जैसे दिख रहे हैं। जिसकी एकबारगी सत्यता का परीक्षण करने में भी चूक हो सकती है। जिन 29 लोगों के नाम से फर्जी वन अधिकार पट्टा जारी हुआ हैय उनमें कमल साय पिता प्रेम साय, पुनिया बाई पिता रामनाथ, रामनाथ पिता सोनसाय, रामनाथ पिता अयोध्या प्रसाद, देवानंद पिता रामप्रसाद, राजपत पिता रामाधार, जानकी बाई पिता आंनद राम, धनेश पिता राजपत, राजेश पिता राजपत, गीता पिता राजपत, रमेशकुमार पिता बंशीलाल, अमरसिंह पिता प्रेमसाय, गोविंदा पिता अमरसिंह, सुरेंद्र कुमार पिता रामसाय, शेरसिंह पिता रामसाय, तेरस बाई पिता गणेशराम, बसंती बाई पिता घसिया, कमल लोचन पिता अमरसिंह, संतोषी बाई पिता रनसाय, गुलाबचंद पिता घासीराम, महेत्तर राम पिता उदेराम, कमला बाई पिता बुधवार सिंह, पितर बाई पति चोलाराम, मोहनकुमार पिता धरमुराम, चंद्रेश कुमार पिता राजपत,संतसिंह पिता बुधवार सिंह, राधाबाई पति जनकराम, सोनिया बाई पति प्रेमलाल एवं लक्ष्मण प्रसाद पिता बाबूलाल शामिल हैं।

रेल सुरक्षा में क्रांतिकारी कदमः दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में 'कवच' प्रणाली की शुरुआत

बिलासपुर, रेलवे सुरक्षा को नई मजबूती देने की दिशा में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए 'कवच' प्रणाली की शुरुआत की है। यह स्वदेशी ऑटोमैटिक ट्रेन प्रोटेक्शन सिस्टम गुरुवार को भिलाई के इलेक्ट्रिक लोको शेड में एक इंजन में स्थापित कर लॉन्च किया गया। अब इसे चरणबद्ध तरीके से कुल 551 इंजनों में लगाया जाएगा। 'कवच' भारतीय रेलवे द्वारा विकसित एक अत्याधुनिक तकनीक है, जो ट्रेनों के बीच टक्कर जैसी गंभीर घटनाओं को रोकने में सक्षम है। यदि लोको पायलट सिग्नल की अनदेखी करता है, तो यह प्रणाली स्वतः ही ट्रेन को रोक देती है। इसके अलावा, यह लोको पायलट को केबिन के भीतर रियल टाइम सिग्नल की जानकारी, इंजन की सटीक लोकेशन ट्रैकिंग और इंटरलॉकिंग सिस्टम से सीधा डेटा एक्सचेंज जैसी सुविधाएं प्रदान करती है। यह पूरी तरह से 'मेक इन इंडिया' पहल का हिस्सा है और भारतीय रेलवे की आत्मनिर्भरता की दिशा में एक अहम कदम भी। फ्लिहाल नागपुर-झारसुगुड़ा रेलखंड में इस प्रणाली की शुरुआत की गई है और भिलाई में पहला इंजन इससे लैस किया गया है।

माँझीपारा के विद्यालय को मिला खेवइया, यहाँ के विद्यार्थी बनेंगे पढ़इया युक्ति युक्तकरण से शिक्षिका की नियुक्ति से पढ़ाई हुई आसान

संवाददाता

कोरबा शहर से लगभग 80 किलोमीटर दूर पाली विकासखंड के अंतर्गत ग्रामपंचायत डोंगा नाला में बड़ी संख्या में मांझी परिवार निवास करते हैं। नाव चलाने, मछली बेचने सहित मजदूरी कर अपना आजीविका चलाने वाले इन परिवारों के बच्चों को शिक्षा से जोड़ने शासन ने इनके बसाहट के पास ही प्राथमिक शाला प्रारंभ किया। अन्तिमछोर वाले इस गाँव के पाठशाला में पिछले कई साल से विद्यार्थियों की संख्या के हिसाब से नियमित शिक्षक नहीं थे। शिक्षको की कमी की वजह से माँझीपारा के बच्चों की पढ़ाई तो जारी थी लेकिन उन्हें ऐसा लगता था कि मानो जिस नाव रूपी प्राथमिक शाला में वे सवार है वह मझधार में फंसी हुई है। उन्हें मंजिल तक पहुंचाने एक और खेवइया रूपी शिक्षक की नितांत आवश्यकता है। राज्य शासन की युक्ति युक्तकरण की पहल ग्रामपंचायत डोंगा नाला माँझीपारा के पाठशाला के विद्यार्थियों के लिए बड़ी वरदान बनकर आई। यहाँ एक और शिक्षिका की नियुक्ति हो जाने से मानो स्कूल को एक और खेवइया मिल गया है, जो इन्हें मंजिल तक पहुंचाने की दिशा में महत्वपूर्ण मददगार साबित होगा। माँझीपारा में पांचवीं तक पाठशाला खुले हुए 21 साल हो गए, लेकिन यहाँ बच्चों की संख्या के हिसाब से शिक्षकों की कमी कभी न कभी बनी ही रही। शिक्षको की कमी की वजह से इस स्कूल से वास्ता रखने वाले माँझी जाति के लोगो के बच्चों को समस्या का सामना करना पड़ता था। समस्या सिर्फयहाँ पढ़ाई करने वाले बच्चों तक की ही नहीं थीं, उनके पालकों की भी थी। उन्हें भी अपने बच्चों के भविष्य की चिंता थी। इस बीच मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के निर्देश पर अपनाई गई युक्ति युक्तकरण की प्रक्रिया से माँझीपारा के प्राथमिक शाला में पढ़ाई करने वाले विद्यार्थियों के साथ ही स्कूल की भी भाग खुल गई। स्कूल में जहाँ दो नियमित शिक्षक हो गए, वही यहाँ पदस्थ हुई शिक्षिका नई मैडम के रूप में दिन भर विद्यार्थियों के जुबान में बस गई है। पाठशाला खुलते ही मैडम के आने और कक्षा में पढ़ाने की चर्चा तो विद्यार्थी करते ही है, मन लगाकर पढ़ाई भी करते हैं।

पाली ब्लॉक के अंतर्गत दूरस्थ ग्राम पंचायत डोंगानाला के अंतर्गत अंतिम छोर पर बड़ी संख्या में मांझी परिवार निवास करते हैं। मांझी परिवार के बच्चों को शिक्षा से जोड़ने के लिए नजदीक ही प्राथमिक शाला का संचालन शासन द्वारा किया जाता है। प्राथमिक शाला के प्रधानपाठक श्री मणि दास मानिकपुरी ने बताया कि विद्यालय वर्ष 2004 से संचालित है। वर्तमान में 50 विद्यार्थी अध्ययनरत है। उन्होंने बताया कि आसपास के गरीब परिवार के बच्चे इस विद्यालय में पढ़ाई करने आते हैं। यहां नियमित शिक्षक की कमी बनी हुई थी। युक्ति युक्तकरण से हमारे विद्यालय में एक शिक्षिका की नियुक्ति की गई है। नई शिक्षिका के आने से विद्यार्थियों को पढ़ाई में बहुत मदद मिली है। इधर क्लास ले रही नई शिक्षिका राजश्री लहरे से विद्यार्थी भी घुले-मिले नजर आ रहे थे।

रजत जयंती वर्ष : कोरबा जिले में आंगनबाड़ी केंद्रों में आयोजित हुई महतारी सम्मेलन

कोरबा । महिला एवं बाल विकास विभाग कोरबा द्वारा आंगनबाड़ी केंद्रों में छत्तीसगढ़ राज्य गठन के रजत जयंती वर्ष के रूप में मनाते हुए महतारी सम्मेलन का आयोजन किया गया। महतारी सम्मेलन में माताओं एवं महिलाओं को एक साथ लाकर उनके स्वास्थ्य, शिक्षा और अधिकारों से संबंधित मुद्दों पर चर्चा की गई। साथ ही मातृ स्वास्थ्य, बाल स्वास्थ्य, महिला सशक्तिकरण, पोषण व स्वास्थ्य एवं महिला अधिकारों से अवगत कराते हुए महिला एवं बाल विकास विभाग के योजनाओं के विषय में जानकारी जैसे चाइल्ड हेल्प लाइन 1098, महिला हेल्प लाइन 181, स्पॉन्सरशिप योजना, सखी वन स्टॉप सेंटर, घरेलू हिंसा अधिनियम 2005, लैंगिक उत्पीड़न, कार्य स्थल में लैंगिक उत्पीड़न, साइबर बुलिंग, आईटी एक्ट, भारतीय न्याय संहिता 2023, साइबर ग्रूमिंग, सोशल मीडिया में होने वाले समस्या, यौन शोषण, चाइल्ड पोर्नोग्राफी, फर्जी डिजिटल अरेस्ट, फर्जी कॉल, शेयर मार्केट, ट्रेडिंग, फर्जी वीडियो कॉल, फर्जी आई डी से फ्रेंडशिप फेसबुक या इंस्टा, साइबर स्टाकिंग, ऑन लाइन जॉब, सोशल मीडिया में प्राइवेट रखना चाहिए, ऑन लाइन ठगी, इत्यादि जानकारी दी गई। इस सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को सशक्त बनाना तथा अधिकारों के प्रति जागरूक करना है।

उनके स्वास्थ्य व कल्याण को बढ़ावा देने हेतु विकासखंड एवं परियोजना स्तर पर महतारी मेगा हेल्थ कैंप का भी आयोजन स्वास्थ्य विभाग के समन्वय द्वारा किया गया। जिसमें समस्त महिला हितग्राहियों एवं किशोरी बालिकाओं का स्वास्थ्य जांच कर निःशुल्क दावा व परामर्श दिया गया।

बालको ने मच्छर जनित बीमारियों से बचाव के लिए समुदाय में चलाया जागरूकता अभियान

कोरबा-बालकोनगर । वेदांता समूह की कंपनी भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) ने विश्व मच्छर दिवस के अवसर पर जिला स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से समुदाय में जागरूकता एवं स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया। कंपनी की सामुदायिक विकास परियोजना मोबाइल हेल्थ वैन एवं आरोग्य के अंतर्गत छह अलग-अलग स्थानों पर शिविर आयोजित किए गए। इन शिविरों के माध्यम से समुदाय के 180 से अधिक लोग लाभान्वित हुए।

शिविरों में समुदाय को मच्छर जनित बीमारियों और अन्य सामान्य स्वास्थ्य समस्याओं से बचाव के लिए जागरूकता एवं स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की गईं। महिलाओं और बच्चों के लिए हीमोग्लोबिन परीक्षण कर एनीमिया की पहचान की गई तथा पोषण संबंधी मार्गदर्शन भी दिया गया। मलेरिया की त्वरित जांच द्वारा समय पर उपचार सुनिश्चित किया गया। इसके साथ ही सामान्य स्वास्थ्य परीक्षण जैसे रक्तचाप, तापमान और अन्य बुनियादी जांच भी की गईं।

जागरूकता सत्रों में मलेरिया, डेंगू और चिकनगुनिया जैसी बीमारियों के कारण, लक्षण और रोकथाम के उपायों पर विस्तार से चर्चा की गई। स्वच्छता और मच्छरों से बचाव के उपायों की जानकारी दी गई तथा संवेदनशील परिवारों को मच्छरदानियाँ भी वितरित की गईं। स्वच्छता एवं व्यक्तिगत सावधानियों पर जोर देते हुए कंपनी ने समुदाय में स्वास्थ्य देखभाल की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया। बालको अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. विवेक सिन्हा ने अपील करते हुए कहा कि डेंगू और मलेरिया से बचाव ही सबसे बड़ा उपचार है। यदि हम अपने घर और आसपास स्वच्छता बनाए रखें और पानी को इकट्ठा न होने दे।

तकनीक से सशक्त गाँव : अटल डिजिटल सुविधा केन्द्र बना ग्रामीण विकास का नया आधार

0 विश्वास का सहारा-गांव में ही समय, धन और श्रम तीनों की बचत

कोरबा । भारत सरकार और छत्तीसगढ़ शासन द्वारा गांव-गांव तक डिजिटल सेवाओं को पहुँचाने के उद्देश्य से संचालित अटल डिजिटल सुविधा केन्द्र अब ग्रामीण अंचलों के लिए वरदान साबित हो रहा है। कोरबा जिले के ग्राम बेला में प्रारंभ हुए इस केन्द्र ने ग्रामीणों को न केवल समय की बचत कराई है, बल्कि उन्हें शहरों के चक्कर लगाने से भी मुक्ति दिलाई है।अटल डिजिटल सुविधा केन्द्र में बैंकिंग सेवाओं से लेकर दस्तावेज़ सत्यापन, पेंशन, शासकीय योजनाओं का लाभ दिलाने तक सभी कार्य हो रहे हैं। अब गांव की महिलाएं और बुजुर्ग भी सहजता से इन सेवाओं का लाभ उठा पा रहे हैं।

कोरबा जिले के ग्राम बेला में रहने वाले श्री धनीराम कंवर बताते हैं कि अटल डिजिटल सुविधा केन्द्र खुलने से हमें अब बालको पैसे निकालने जाने की आवश्यकता नहीं होती। पहले छोटी-छोटी आर्थिक जरूरतों के लिए भी हमें कई किलोमीटर दूर जाना पड़ता था, लेकिन अब यह सारी सुविधा हमें अपने ही गांव में उपलब्ध है। मेरी सभी आवश्यक कार्यवाही- पैसे निकालना, शासकीय योजनाओं का लाभ लेना, कार्ड बनवाना - सब इसी केन्द्र से हो जाती है।

धनीराम कंवर की पत्नी भी शासन की महत्वाकांक्षी महतारी वंदन योजना की हितग्राही हैं। वे कहती हैं कि अब योजना की राशि सीधे गांव में ही केन्द्र से प्राप्त हो जाती है। पैसे निकालने के लिए शहर या बैंक शाखा जाने की आवश्यकता नहीं रहती। इससे समय और पैसे दोनों की बचत होती है और घर-परिवार की देखभाल भी आसानी से हो जाती है।श्री कंवर ने इसी केन्द्र से आयुष्मान कार्ड भी बनवाया है। उनका कहना है कि हम गरीब लोग बड़े अस्पतालों में इलाज कराने में सक्षम नहीं थे। अब आयुष्मान कार्ड से मुफ्त इलाज की सुविधा मिल जाएगी। इस सुविधा केन्द्र ने हमारे जीवन में वास्तविक बदलाव ला दिया है।

बी.सी.पी.पी. कालोनी की समस्याओं पर आयुक्त ने ली एन.टी.पी.सी. व बालको प्रबंधन की बैठक

कालोनी की साफ-सफाई, कचरे के व्यवस्थापन एवं वहाँ की स्वच्छता व समस्याओं के निराकरण पर कार्य करने को कहा

कोरबा आयुक्त आशुतोष पाण्डेय ने बी.सी.पी.पी.कालोनी की समस्याओं को लेकर एन.टी.पी.सी. व बालको प्रबंधन के अधिकारियो की बैठक ली, उन्होने कहा कि कालोनी में रह रहे नागरिकों का हक है कि उन्हें आवश्यक मूलभूत सुविधाएं मिले, अतः वहाँ की समस्याओं को दूर करने, नियमित साफ-सफाई कराने व उचित प्रबंधन किए जाने का कार्य प्रतिष्ठान करें।

यहाँ उल्लेखनीय है कि एन.टी.पी.सी. कालोनी कृष्णाविहार में बालको की बी.सी.पी.पी. कालोनी स्थित है, जहाँ पर नियमित साफ-सफाई, कचरे का संग्रहण आदि का कार्य नहीं हो रहा, साथ ही वहाँ पर अन्य समस्याएं भी व्याप्त हैं, इसकी जानकारी प्राप्त होने पर विगत दिनों महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत ने भी बी.सी.पी.पी. कालोनी का दौरा कर वहाँ की समस्याएं देखी थी तथा निराकरण के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिए थे। वहाँ आज आयुक्त आशुतोष पाण्डेय ने भी बी.सी.पी.पी.कालोनी का दौरा किया, मेयर इन काउंसिल सदस्य एवं वार्ड पार्षद श्री अजय कुमार चन्द्रा व निगम अधिकारियों के साथ कालोनी का भ्रमण करते हुए उन्होने वहाँ की समस्याओं का जायजा लिया तथा इस संबंध में एन.टी.पी.सी. व बालको प्रबंधन की बैठक बुलाई। नगर पालिक निगम कोरबा के मुख्य प्रशासनिक भवन साकेत स्थित कक्ष में आयुक्त श्री पाण्डेय ने दोनों प्रतिष्ठानों के अधिकारियों की बैठक लेते हुए कहा कि कालोनी में रह रहे नागरिकों को मूलभूत सुविधाएं मिलनी चाहिए, कालोनी में साफ सफाई का बेहद अभाव है, वहाँ न तो नियमित सफाई के कार्य हो रहे, और न कचरे का प्रबंधन किया जा रहा है, अतः इस दिशा में प्रतिष्ठान अपने दायित्वों का निर्वहन करें। बैठक के दौरान एन.टी.पी.सी. के अधिकारियों ने कहा कि उक्त कालोनी में 360 आवासगृह स्थित हैं, जिनमें पानी, बिजली व सीवर संबंधी कार्यो के लिए उन्हें बालको प्रबंधन से राशि मिलती है तथा यह कार्य हम करते हैं, किन्तु कालोनी की नियमित साफ-सफाई, कचरे का संग्रहण व अपशिष्ट का प्रबंधन का कार्य बालको प्रबंधन का है, अतः बालको इस कार्य को करें। आयुक्त श्री पाण्डेय ने बालको प्रबंधन से कहा कि इस संबंध में वे अपने दायित्व को निभाएं तथा साफ-सफाई के नियमित कार्य हों, कचरे का उचित प्रबंधन हो, डोर-टू-डोर अपशिष्ट संग्रहण की व्यवस्था हो, वहाँ पर गार्डन भी है, जो उजाड़ स्थिति में है, उसकी हालत सुधरनी चाहिए, अतः बालको प्रबंधन इस दिशा में कार्य करें। बालको प्रबंधन के अधिकारियों ने कहा कि कालोनी की एक बार सम्पूर्ण सफाई का कार्य कराने के साथ ही वहाँ पर नियमित सफाई कार्य व कचरा प्रबंधन पर हम कार्य करेंगे किन्तु कचरा डम्पिंग की समस्या वहाँ पर रहेगी, इस पर एन.टी.पी.सी. प्रबंधन ने कचरा डम्पिंग की समस्या पर विचार करने का आश्वासन दिया।

बैठक के दौरान अपर आयुक्त विनय मिश्रा, बालको के एक्सटर्नल अफेयर हेड कुशाग्र कुमार, एन.टी.पी.सी के ए.जी.एम. शशिशेखर, बालको के लैण्ड एण्ड लीगल टीम हेड प्रमोद नायक, एन.टी.सी.सी. के सीनियर मैनेजर शशांक झाजेड, निगम के स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.संजय तिवारी, जोन कमिश्नर तपन तिवारी आदि उपस्थित थे।

कलेक्टर ने किया वन अधिकार पट्टा निरस्त

कोरबा कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी अजीत वसंत ने पात्रता नहीं होने के कारण प्राप्त पट्टे को निरस्त कर छत्तीसगढ़ शासन के पक्ष में राजस्व अभिलेख दुरूस्त किये जाने हेतु तहसीलदार पोंड़ी उपरोड़ा को आदेषित किया है। प्राप्त जानकारी अनुसार न्यायालय कलेक्टर कोरबा के आदेश दिनांक 21/08/2025 को अनावेदक श्री रामावतार पिता देवनारायण जाति-गोंड, मूलतः ग्राम कुम्हारीसानी के निवासी है, परन्तु उनके द्वारा वर्तमान में ग्राम-कांसामार प0ह0नं0-34 तहसील पोड़ीउपरोड़ा, जिला-कोरबा (छ0ग0) में विगत 04-05 वर्षो से कब्जा कर खसरा नंबर 16/1 में से रकबा 1.216 हे0 भूमि का वन अधिकार पट्टा प्राप्त किया गया है। अनुसूचित जनजाति एवं अन्य परांपरागत वन निवासी (वन अधिकारों की मान्यता) अधिनियम-2006 संशोधित अधिनियम, 2012 के तहत् अनुसूचित जनजाति समुदाय के व्यक्तियों को वन अधिकार पत्र की पात्रता दिनांक 13.12.2005 के पूर्व कब्जा हो तथा आवेदित ग्राम के मूल निवासी होने की पात्रता रखती हो। परन्तु अनावेदक श्री रामावतार पिता देवनारायण मूलतः ग्राम-कांसामार तहसील पोड़ीउपरोड़ा की निवासी नहीं होने के कारण खसरा नंबर 16/1 में से रकबा 1.216 हे0 (बटांकन पश्चात् ख0नं0 16/13 रकबा 1.216 हे0) भूमि ।

एनएचएम के संविदा कर्मचारियों के हड़ताल पर जाने से स्वास्थ्य सेवाओं पर वितरित असर

रायपुर। राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवामिशन के कर्मचारी इस समय विभिन्न मांगों को लेकर हड़ताल पर है। ये संविदा कर्मी हड़ताल पर चले गये है जिसके कारण प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं में विपरीत असर पड़ रहा है।

स्वास्थ्य विभाग के राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन में कार्यरत कर्मचारी दस सूत्रीय मांगों को लेकर आंदोलन धरना देकर प्रदर्शन कर रहे हैं। इन कर्मचारियों ने खून से एक पत्र मुख्यमंत्री से लिखा है। इनकी मांग है कि इन्हें इनका संविलियन किया जाए तथा 27 प्रतिशत वेतन वृद्धि ग्रेड पे निर्धारण और पब्लिक हेल्थ क्रेडर की स्थापना की जाए।

संघ के अध्यक्ष डॉ. अमित ने बताया कि हड़ताल शुरू होने के बाद स्वास्थ्य मंत्री से मुलाकात कर सभी प्रमुख मांगे पूरी करने की मांग की गई है लेकिन अभी तक कोई हल नहीं निकला है। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में काफी महत्वपूर्ण भूमिका होती है।

मुख्यमंत्री ने जापान में एनटीटी लिमिटेड की सीईओ से की मुलाकात

टोक्यो/रायपुर। मुख्यमंत्री ने अपनी जापान यात्रा के दौरान हुई एक अहम मुलाकात की जानकारी सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर साझा करते हुए लिखा। टोक्यो में एनटीटी लिमिटेड, जापान की सीईओ सुश्री कायो इतो से मुलाकात हुई। झ्90 बिलियन रेवेन्यू के साथ यह कंपनी वैश्विक आईटी इंफ्रास्ट्रक्चर और डिजिटल सॉल्यूशंस की अग्रणी कंपनी है। इस दौरान छत्तीसगढ़ में डिजिटल और एडवांस टेक्नोलॉजी आधारित निवेश पर सकारात्मक चर्चा हुई। मुख्यमंत्री की टोक्यो में ह्ज्ञज्ञ लिमिटेड, जापान की सीईओ सुश्री कायो इतो से यह महत्वपूर्ण मुलाकात हुई। एनटीटी लिमिटेड एक वैश्विक अग्रणी कंपनी है, जो लगभग 90 बिलियन डॉलर के वार्षिक रेवेन्यू के साथ आईटी इंफ्रास्ट्रक्चर और डिजिटल समाधानों के क्षेत्र में कार्यरत है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री और सुश्री इतो के बीच छत्तीसगढ़ में डिजिटल और उन्नत आईटी तथा तकनीक-आधारित निवेश की संभावनाओं पर विस्तृत चर्चा हुई। राज्य में डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन को गति देने, युवाओं के लिए तकनीकी रोजगार के नए अवसर विकसित करने और वैश्विक कंपनियों को राज्य में आकर्षित करने के उद्देश्य से यह बातचीत महत्वपूर्ण मानी जा रही है। राज्य सरकार की इस पहल को छत्तीसगढ़ को एक भविष्यगत डिजिटल हब के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक मजबूत कदम माना जा रहा है।

छत्तीसगढ़ में सितंबर आयुष्मान कार्ड से कैशलेस इलाज बंद

रायपुर। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन इंडियन मेडिकल एसोसिएशन ने घोषणा की है कि 1 सितंबर से प्रदेश के प्राइवेट अस्पतालों में आयुष्मान कार्ड के माध्यम से कैशलेस इलाज की सुविधा रोक दी जाएगी। अगर सरकार सही वक्त पर फैसला नहीं लेती है तो छत्तीसगढ़ के गरीब जनता को इलाज के लिए दो-चार होना पड़ेगा। साथ ही निहायत जरुरी स्वास्थ्य सेवाओं से महरूम होना भी पड़ सकता है, क्योंकि छत्तीसगढ़ में आयुष्मान कार्ड से कैशलेस इलाज की सुविधा जल्द ही बंद हो सकती है।इंडियन मेडिकल एसोसिएशन ने घोषणा की है कि 1 सितंबर से प्रदेश के प्राइवेट अस्पतालों में आयुष्मान कार्ड के माध्यम से कैशलेस इलाज की सुविधा रोक दी जाएगी। इस फैसले का सबसे बड़ा प्रभाव उन गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों पर होगा, जो आयुष्मान कार्ड के माध्यम से इलाज करवाते हैं। कई मरीज इस योजना पर निर्भर हैं और उन्हें अब अस्पताल में कैशलेस सुविधा न मिलने के कारण सीधे भुगतान करना पड़ सकता है।

अस्पतालों को छह महीने से भुगतान

आईएमए ने बताया कि यह फैसला लंबे समय से अस्पतालों को योजना के तहत इलाज का भुगतान नहीं मिलने के कारण लिया गया है। संगठन के अनुसार, लगभग छह महीने से अस्पतालों को आयुष्मान योजना के तहत किए गए इलाज का भुगतान नहीं मिला है। इस कारण अब प्राइवेट अस्पताल कैशलेस सेवा जारी रखने में असमर्थ हैं। आईएमए का कहना है कि बिना भुगतान के यह सेवा वित्तीय रूप से संचालित नहीं की जा सकती। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, राज्य सरकार जल्द ही आईएमए के साथ बैठक कर समाधान निकालने की प्रक्रिया शुरू करेगी। राज्य सरकार का दावा है कि 2025 तक का पूरा भुगतान कर दिया गया। लेकिन आईएमए निजी अस्पतालों का दावा 350 करोड़ का भुगतान बकाया है, 6 माह से भुगतान बंद है। नियमित भुगतान का सिस्टम नहीं बन पाया है।

समस्या समाधान नहीं हुआ तो इलाज मुश्किल

स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि अगर इस समस्या का शीघ्र समाधान नहीं हुआ, तो राज्य में गरीब मरीजों के लिए इलाज की पहुंच पर गंभीर असर पड़ सकता है। वहीं, प्राइवेट अस्पतालों की आर्थिक स्थिति भी योजना के नियमित भुगतान न मिलने के कारण प्रभावित हो रही है।

1 सितंबर से पहले हो जाएगा भुगतान - मंत्री

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि निजी अस्पतालों को 1 सितंबर का इंतजार नहीं करना होगा। 1 सितंबर से पहले निजी अस्पतालों को पेमेंट कर देंगे। निजी अस्पतालों को जुलाई तक का पेमेंट 2-3 दिन के भीतर कर दिया जाएगा।

रायपुर पुलिस ने जब्त किया 57 लाख रूपये कीमत का हेरोईन, 6 आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। रायपुर पुलिस ने विडियो एवं लोकेशन शेयरिंग के माध्यम से हेरोईन(चिट्टा) का सिंडिकेट चलाने वाले के गिरोह मुख्य सप्लायर मनमोहन सिंह संधू उर्फ जग्गू तथा उसके डिस्ट्रीब्यूटर विजय मोटवानी एवं भूषण शर्मा सहित 6 सदस्यों को गिरफ्तार किया है तथा उनके पास से 57 लाख रूपये कीमत का 273.19 ग्राम हेरोईन(चिट्टा) जप्त किया है। रायपुर पुलिस द्वारा अब तक अलग-अलग मामलों में 34 आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से खुदरा मुल्य लगभग 01 करोड़ 57 लाख मुल्य के हेराईन(चिट्टा) को जप्त किया गया है।बता दें कि पुलिस महानिरीक्षक रायपुर रेंज रायपुर अमरेश मिश्रा तथा पुलिस उप महानिरीक्षक एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. लाल उमेद सिंह द्वारा नशे के विरूद्ध प्रभावी कार्यवाही करते हुए अंतर्राज्यीय सप्लायरों व स्थानीय नेटवर्क के गठजोड़ को समाप्त करने के निर्देश दिये गये थे।इसी तारतम्य में दिनांक 21.08.25 को एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट की टीम को सूचना मिली कि थाना कबीरनगर क्षेत्रांतर्गत हीरापुर स्थित वेदांत वाटिका के पास 01 व्यक्ति अपने हेरोईन(चिट्टा) रखा है तथा बिक्री की फिराक में ग्राहक की तलाश कर रहा है। जिस पर वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट तथा थाना कबीर नगर पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा उक्त स्थान जाकर मुखबीर द्वारा बताये हुलिये के व्यक्ति की पतासाजी कर चिन्हांकित कर पकड़ा गया, पूछताछ में व्यक्ति ने अपना नाम मनमोहन सिंह संधू उर्फ जग्गू निवासी हीरापुर रायपुर का होना बताया गया। टीम के सदस्यों द्वारा उसकी तलाशी लेने पर उसके पास हेरोईन(चिट्टा) रखा होना पाया गया। हेरोईन(चिट्टा) के संबंध में कड़ाई से पूछताछ करने पर आरोपी मनमोहन सिंह संधू उर्फ जग्गू द्वारा बताया गया कि पंजाब प्रांत का तस्कर उसे माल खपाने हेतु देता है जिसे वह यहां अपने डिस्ट्रीब्युटर विजय मोटवानी, भूषण शर्मा को देता था तथा वे लोग अन्य लोगों को देते थे। जिस पर मनमोहन सिंह संधू उर्फ जग्गू से विजय मोटवानी तथा अन्य लोगो के संबंध में पूछताछ कर उन्हें चिन्हांकित कर वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में आरोपी मनमोहन सिंह संधू उर्फ जग्गू सहित उनके स्थानों पर एक साथ रेड कार्यवाही करने हेतु विशेष टीम का गठन किया गया। विशेष टीम के द्वारा हीरापुर क्षेत्रांतर्गत वीर सावरकर नगर, जरवाय तालाब के पास स्थित मकान तथा आरडीए कॉलोनी में एकसाथ रेड कार्यवाही कर आरोपी मनमोहन सिंह संधू उर्फ जग्गू की पत्नी जसप्रीत कौर, विजय मोटवानी, नितिन पटेल तथा दिव्या जैन को पकड़ा गया। टीम के सदस्यों द्वारा उनके मकानों की तलाशी लेने पर उनके मकान से हेरोईन(चिट्टा) पाया गया। जिस पर टीम के सदस्यों द्वारा प्रकरण में संलिप्त चारो आरोपियों को भी पकड़ा गया। जांच में पाया गया कि आरोपी विजय मोटवानी अपने दोपहिया वाहन में घूम-घूम कर हेराईन(चिट्टा) खपाने का कार्य करता था। जिस पर टीम के सदस्यों द्वारा 02 महिला सहित कुल 05 आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके निशानदेही पर कब्जे से 273.19 ग्राम हेरोईन(चिट्टा) तथा घटना में प्रयुक्त 01 नग दोपहिया वाहन एवं 05 नग मोबाईल फोन खुदरा मुल्य कीमती लगभग 57,00,000 रूपये जप्त कर आरोपियों के विरूद्ध थाना कबीर नगर में धारा 21बी, 21सी, 29 एन.डी.पी.एस एक्ट तथा 111 बीएनएस के तहत अपराध पंजीबद्ध कर कार्यवाही किया गया है। इसी प्रकार थाना कोतवाली के अपराध क्रमांक 165/25 धारा 22ख एनडीपीएस एक्ट के प्रकरण में एंड टू एंड कार्यवाही करते हुए गिरफ्तार आरोपियों से हेरोईन(चिट्टा) के संबंध में कड़ाई से पूछताछ करने पर उनके द्वारा हेरोईन(चिट्टा) भूषण शर्मा नामक व्यक्ति से प्राप्त करना बताया गया जिस पर टीम के सदस्यों द्वारा प्रकरण में आरोपी भूषण शर्मा की पतासाजी कर पकड़ा गया, पूछताछ में आरोपी भूषण शर्मा द्वारा मनमोहन सिंह संधू उर्फ जग्गू द्वारा उसे तथा विजय मोटवानी को हेराईन(चिट्टा) खपाने हेतु उपलब्ध कराना बताया गया। जिस पर आरोपी भूषण वर्मा को भी थाना कोतवाली के धारा 22ख एनडीपीएस एक्ट के तहत गिरफ्तार कर उसके विरूद्ध कार्यवाही किया गया है। मामले में पुलिस ने मनमोहन सिंग संधू उर्फ जग्गू पिता जरनैल सिंग उम्र 30 साल निवासी एचआईजी/564 मोर गार्डन के पास वीर सावरकर नगर हीरापुर थाना कबीर नगर जिला रायपुर, विजय मोटवानी उर्फ अमन पिता गोपाल मोटवानी उम्र 23 साल निवासी एलआईजी - 1696 वीर सावरकर नगर हीरापुर थाना कबीर नगर जिला रायपुर, दिव्या जैन पिता ललित जैन उम्र 24 साल निवासी आरडीए कॉलोनी ब्लॉक जी 112 बंगाली होटल के पास अविनाश प्राईट के पीछे हीरापुर थाना कबीर नगर जिला रायपुर, नितिन पटेल पिता आशीष पटेल उम्र 19 साल निवासी ग्राम कंदेला थाना बैकुंठपुर जिला रीवा म0प्र0. वर्तमान पता सतगुरू ट्रेडर्स के पास, जरवाय तालाब के पास वीर सावरकर नगर हीरापुर थाना कबीर नगर जिला रायपुर, जसप्रीत कौर उर्फ बॉबी पति मनमोहन सिंग संधू उर्फ जग्गू उम्र 25 साल निवासी एचआईजी/564 मोर गार्डन के पास वीर सावरकर नगर हीरापुर थाना कबीर नगर जिला रायपुर तथा भूषण शर्मा उर्फ सूरज पिता मनोज शर्मा उम्र 30 साल निवासी भारत माता स्कूल के पीछे टाटीबंध थाना आमानाका रायपुर को गिरफ्तार किया है।

दिवंगत पंचायत शिक्षक अनुकंपा नियुक्ति संघ की अध्यक्ष ने प्रदर्शन के दौरान पिया फिनाइल

रायपुर । राजधानी रायपुर में मंत्री बंगले के सामने प्रदर्शन कर रही दिवंगत पंचायत शिक्षक अनुकंपा नियुक्ति संघ की अध्यक्ष ने फिनाइल पी लिया। घटना के बाद मौके पर हड़कंप मच गया। आनन-फानन में तत्काल महिला को आंबेडकर अस्पताल भेजा गया। जहां उनका उपचार जारी है।

बता दें कि अनुकंपा की मांग करती आ रही महिलाओं ने दिवंगत पंचायत शिक्षक अनुकंपा नियुक्ति संघ के बैनर तले आज गृहमंत्री विजय शर्मा के सरकारी बंगले के सामने बैठकर प्रदर्शन कर रहीं थी। प्रदेशभर की लगभग बड़ी संख्या में पहुंची महिलाओं के प्रदर्शन को रोकने के लिए पुलिस बल ने प्रदर्शनकारियों को खदड़ते हुए बस में भरना शुरू कर दिया। इस दौरान प्रदर्शनकारी महिलाओं और पुलिस के बीच जमकर झूमाझटकी भी हुई। इसी दौरान दिवंगत पंचायत शिक्षक अनुकंपा नियुक्ति संघ के अध्यक्ष ने फिनाइल पी लिया, जिससे मौके पर उनकी तबियत बिगड़नी शुरू हो गई। स्थिति को देखते हुए उन्हें तत्काल उन्हें मेकाहारा में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है.। वहीं अन्य प्रदर्शनकारी महिलाओं को कड़ी मशक्कत के बाद पुलिस ने तूता धरना स्थल भेज दिया।

मुख्यमंत्री साय का जापान प्रवासः छत्तीसगढ़ के लिए तकनीक, व्यापार और संस्कृति के नए आयाम

वैश्विक मंच पर छत्तीसगढ़ - मुख्यमंत्री श्री साय का जापान दौरा बना तकनीकी और औद्योगिक सहयोग का सेतु

रायपुर । ओसाका वर्ल्ड एक्सपो में छत्तीसगढ़ की भागीदारी से पूर्व मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने 22 अगस्त को टोक्यो प्रवास की शुरुआत आध्यात्मिकता, तकनीक और व्यापार कूटनीति के संगम के साथ की।

टोक्यो पहुंचते ही मुख्यमंत्री श्री साय ने ऐतिहासिक असाकुसा मंदिर के दर्शन किए। यह टोक्यो का सबसे प्राचीन और प्रतिष्ठित मंदिर है, जो शांति और सामर्थ्य का प्रतीक माना जाता है। मुख्यमंत्री श्री साय ने मंदिर में पूजा-अर्चना कर छत्तीसगढ़ की 3 करोड़ जनता की खुशहाली, समृद्धि और निरंतर प्रगति की कामना की। उन्होंने कहा कि यह मंदिर जिस प्रकार शांति और शक्ति का संदेश देता है, उसी प्रकार छत्तीसगढ़ की जनता भी छत्तीसगढ़ शांति, सामर्थ्य और समृद्धि से परिपूर्ण राज्य के रूप में सतत विकास की ओर अग्रसर राज्य बने, यह आकांक्षा करती है।

सूचना प्रौद्योगिकी में नवाचार की दिशा में कदम : मुख्यमंत्री श्री साय के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने एनटीटी लिमिटेड की मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुश्री कायो इतो से मुलाकात की। एनटीटी विश्व की शीर्ष आईटी इंफ्रास्ट्रक्चर और डिजिटल समाधान कंपनियों में से एक है, जिसकी वार्षिक आय 90 अरब अमेरिकी डॉलर है और जो 50 से अधिक देशों में कार्यरत है। इस बैठक में छत्तीसगढ़ में तकनीक आधारित निवेश की संभावनाओं पर चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने राज्य में डिजिटल इकोसिस्टम को मजबूत बनाने पर जोर दिया। एनटीटी विश्वभर में क्लाउड कम्प्यूटिंग और साइबर सुरक्षा सहित अत्याधुनिक आईटी समाधान प्रदान कर रही है और डिजिटल परिवर्तन की अग्रणी शक्ति बनी हुई है।

सांस्कृतिक रिश्तों और व्यापारिक साझेदारी को मजबूती : शाम को भारत के जापान में राजदूत श्री सिबी जॉर्ज द्वारा आयोजित औपचारिक रात्रिभोज में मुख्यमंत्री श्री साय और प्रतिनिधिमंडल ने भाग लिया। इस अवसर पर हुई चर्चा में इंडो-पैसिफिक देशों को उद्योग और व्यापार के माध्यम से जोड़ने की आवश्यकता पर बल दिया गया। इसमें आर्थिक स्थिरता, व्यापारिक सुरक्षा, पारिस्थितिकीय संतुलन और औद्योगिक वृद्धि की अहम भूमिका को रेखांकित किया गया। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि जापान की उन्नत तकनीक और भारत के कुशल जनशक्ति के संयोजन से व्यापक औद्योगिक सहयोग की संभावनाएँ हैं। उन्होंने सांस्कृतिक संबंधों को प्रोत्साहित करने और छत्तीसगढ़ को जापानी पर्यटकों के लिए आकर्षक पर्यटन गंतव्य के रूप में प्रस्तुत करने पर भी जोर दिया।

शासकीय नवीन महाविद्यालय गुढ़ियारी रायपुर में कैरियर मार्गदर्शन एवं प्लेसमेंट

रायपुर। शासकीय नवीन महाविद्यालय गुढ़ियारी रायपुर में विशेष रोजगार कार्यालय द्वारा छ.ग. लोक सेवा आयोग, उच्च शिक्षा, विभिन्न प्रतियोगी परीक्षा कि तैयारी हेतु मार्गदर्शन कार्यक्रम दिनांक 21.08.2025 को एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन प्रातः 10:00 बजे किया गया। इस कार्यक्रम में शासकीय नवीन महाविद्यालय गुढ़ियारी एवं शासकीय संस्कृत महाविद्यालय के 152 विद्यार्थी कार्यकम में शामिल हुए। इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों को मार्गदर्शन देने हेतु मुख्य वक्ता डॉ. (श्रीमती) शशीकला अतुलकर, विशेष रोजगार कार्यालय रायपुर एवं श्री.ओम प्रकाश साहू, प्रोफेसर (शंकराचार्य महाविद्यालय रायपुर) उपस्थित थे। उपसंचालक डॉ. अतुलकर द्वारा कोशिश के महत्व तथा लॉ आफ अट्रैक्शन के माध्यम से अपने सपनो को साकार करने के सूत्र विद्यार्थियों को बताए। उन्होंने कहा कि साकारात्मक सोच निरंतर प्रयास ही सफलता की कुंजी है। डॉ. ओमप्रकाश साहू प्रोफेसर ने अविष्कार की प्रक्रिया तथा विशिष्ट कौशल विकास पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को अपने भीतर छिपी क्षमताओं को पहचानने और उन्हें निखारने की प्रेरणा दी। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. मुधुलिका अग्रवाल ने छात्र/छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि ऐसे आयोजनो से विद्यार्थियों में आत्मविश्वास और प्रतिस्पर्धा क्षमता का विकास होता है। कार्यशाला का संचालन डॉ. राजवंश कौर कोहली एवं सहयोगी सहायक प्राध्यापक डॉ. सुभ्रा मिश्रा एवं नीतू सिंह रही एवं महाविद्यालय परिवार से डॉ. पद्येश नाग, डॉ. वंदना कुमार, डॉ. आशा दुबे, डॉ. शुभ्रा वर्मा, लोकेश सातपथी, कुसुम चंद्राकर एवं मधु उर्वशी सहित अन्य सदस्य शामिल हुए।

महाविद्यालय परिसर में ही इच्छुक बेरोजगार छात्र/छात्राओं के लिए प्लेसमेंट कैम्प का आयोजन किया गया, जिमसें निजी नियोजक अलर्ट एस.जी.एस प्राइवेट लिमिटेड रायपुर एवं बॉम्बे इंटेलिजेन्स सिक्युरिटी (इंडिया) लिमिटेड रायपुर उपस्थित हुए। इस प्लेसमेंट कैम्प में शासकीय नवीन महाविद्यालय एवं शासकीय संस्कृत महाविद्यालय के 18 आवेदकों ने रोजगार के लिए आवेदन किए जिसमें से अलर्ट एस.जी.एस प्राइवेट लिमिटेड रायपुर 02 आवेदकों का प्रारंभिक रूप से सेक्यूरिटी गार्ड एवं मार्केटिंग के लिए तथा बॉम्बे इंटेलिजेन्स सिक्युरिटी (इंडिया) लिमिटेड रायपुर द्वारा 04 आवेदकों का प्रारंभिक चयन सेक्यूरिटी गार्ड के लिए किया गया।

166 महतारी सदन की मिली स्वीकृति, डिप्टी सीएम ने कहा –महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने में होगा सहायक

रायपुर। प्रदेश के प्रत्येक ग्राम पंचायतों में ग्रामीण महिलाओं को स्वावलंबी एवं आत्मनिर्भर बनाने तथा आपसी समरसता स्थापित करने सामायिक कार्यक्रमों में सामूहिक भागीदारी तथा महिला सशक्तिकरण के उद्देश्य से उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा के निर्देशानुसार महतारी सदन का निर्माण कार्य किया जाना है। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा के प्रयास से 166 महतारी सदन की स्वीकृति आदेश जारी किया गया है, इसके लिए 49 करोड़ 80 लाख रुपये की स्वीकृति जारी की गई है।

बढ़ रही महिलाओं की जिम्मेदारी

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा, न्यू इंडिया के ग्रोथ साइकल में महिलाओं की भागीदारी लगातार बढ़ रही है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आत्मनिर्भर भारत अभियान महिलाओं की क्षमता को देश के विकास के साथ जोड़ रहा है। प्रदेश के ग्राम पंचायतों में बनने जा रहा महतारी सदन भी इसी दिशा में एक प्रयास है। उन्होंने कहा कि लगातार ग्राम भ्रमण के दौरान महिलाओं द्वारा बैठने की स्थान न होने की शिकायत की और बैठने हेतु स्थान दिलाने की मांग की जाती रही इसलिए महतारी सदन बनाने का विचार आया। ततपश्चात महिलाओं को रोजगार दिलाने और उनको काम काज के लिए स्थान उपलब्ध कराने के लिए प्रदेश सरकार गांवों में महतारी सदन बनाने जा रही है। अब तक 368 महतारी सदन की स्वीकृति इसी उद्देश्य को पूर्ति के लिये जारी किया गया है। कार्यों में एकरूपता के दृष्टिकोण से पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा कार्य का एक मानक डिजाईन एवं प्राक्कलन तैयार किया गया है। प्रति महतारी सदन की लागत राशि रुपये 30 लाख होगी।

सभी ग्राम पंचायतों में महतारी सदन बनाने की योजना

प्रदेश के सभी ग्राम पंचायतों में महतारी सदन बनाया जाएगा। महतारी सदन बनाने की शुरुआत हो गयी है। पहले चरण में प्रदेश के प्रत्येक विकासखंड में महतारी सदन बनना प्रारंभ किया जा रहा है व 5 साल में सभी ग्राम पंचायत में महतारी सदन बनेंगे। प्रदेश में बनने वाले महतारी सदन का निर्माण लगभग 25 सौ वर्गफुट में कराया जाएगा।

कवासी लखमा की जमानत याचिका पर हुई सुनवाई,कोर्ट ने फैसला रखा सुरक्षित

बिलासपुर । छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित शराब घोटाले मामले में जेल में बंद पूर्व आबकारी मंत्री कवासी लखमा की जमानत याचिका पर शुक्रवार को हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। जस्टिस अरविंद वर्मा की सिंगल बेंच में हुई सुनवाई के बाद अदालत ने सभी पक्षों को सुनने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया है। लखमा की ओर से उनके अधिवक्ता हर्षवर्धन परगनिहा ने पक्ष रखा और तर्क दिया कि 2024 में दर्ज केस में उन्हें डेढ़ साल बाद गिरफ्तार किया गया, जो पूरी तरह से कानून के खिलाफहै। बचाव पक्ष ने कोर्ट को यह भी बताया कि पूर्व मंत्री को केवल गवाहों के बयानों के आधार पर आरोपी बनाया गया है, जबकि उनके खिलाफकोई ठोस सबूत मौजूद नहीं है। वकील ने दलील दी कि यह पूरा मामला राजनीतिक षडयंत्र है और उनके मुवक्किल को गलत तरीके से फंसाया गया है।

प्रोजेक्ट सुरक्षा के तहत छात्रों को मिला जीवनरक्षक प्रशिक्षण

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के निर्देशन में जिला प्रशासन रायपुर एवं रेड क्रॉस सोसाइटी, जिला शाखा रायपुर के संयुक्त प्रयास से प्रोजेक्ट सुरक्षा कार्यक्रम के अंतर्गत एक महत्वपूर्ण जीवनरक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मांट में 105 बच्चों व शिक्षकों को प्रथम बैच में प्रशिक्षण दिया गया। द्वितीय बैच में स्वामी आत्मानंद शासकीय उच्चतर माध्यमिक उत्कृष्ट इंग्लिश मीडियम विद्यालय गनियारी तिल्दा में 150 बच्चों शिक्षकों को तथा 3ह्म्र बैच में शासकीय हाई स्कूल घेवरा में 60 बच्चों को प्रशिक्षण दिया गया। छात्र-छात्राओं के साथ शिक्षकों को भी प्राथमिक उपचार और सीपीआर (कार्डियो पल्मोनरी रिससिटेशन) का प्रशिक्षण दिया गया।साथ ही मल्टीलेवल पार्किंग में चौथे फ्लोर में पंचायत विभाग के पंचायत विभाग के 23 पंचायत सचिवों को से अधिक लोगों को प्राथमिक उपचार कीट एवं सीपीआर का प्रशिक्षण दिया गया।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक प्रेमेन्द्र अग्रवाल द्वारा अस्मा पब्लिशर्स इण्डिया प्राईवेट लि.,जयस्तंभ चौक, रायपुर से मुद्रित कर तथा 5/756 रामसागरपारा, सिंधी स्कूल के पीछे, स्टेशनरी हाऊस, रायपुर 492001 (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक प्रेमेन्द्र अग्रवाल ।
www.lokshakti.in, lokshaktidaily@gmail.com, twitter.com/lokshaktidaily, facebook.com/lokshaktidaily कार्यकारी संपादक : राजेश अग्रवाल (किसी भी विवाद पर न्यायालय क्षेत्र रायपुर होगा)